A.S.C SANSTHAN

ARION SHIKSHAN & CHARITABLE SANSTHAN

COMPUTER NOTES

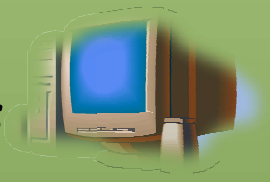


(BASIC TO ADVANCE)





Fundamentals



For Students & Beginners

Easy Language Notes

Practical + Theory

Smart Study करो, Success पाओ

Contents

Computer Fundamentals....4

कंप्यूटरक्याहोताहै?....4

COMPUTER कापूरानामक्याहोताहै?....5

कंप्यूटरकेकुछविशेषतायेंयालाभोंकोबतायें....6

कंप्यूटरविकासकेइतिहासकोलिखें....7

कंप्यूटरकेपीढ़ियोंकोलिखें....12

कंप्यूटरकेप्रकारकोसमझायें....16

आकारकेआधारपर....16

उद्देश्यकेआधारपर....16

अनुप्रयोगकेआधारपर....16

कंप्यूटरकेभाग....20

कीबोर्डक्याहोतीहै?....20

माउसक्याहै ? एवंइसकेप्रकारकोलिखें....26

मॉनिटरक्याहै ? एवंइनकेप्रकारकोलिखें....29

Scanner क्याहोताहै? इसकेबारेमेंसमझायें....30

प्रिंटरक्याहै, इसकेप्रकारकोसमझायें....33

स्पीकरक्याहोताहै?....37

हेडफोनक्याहोताहै?....37

UPS क्याहोताहै?....38

CPU याहोताहै?....39

मेमोरी....40

हार्डडिस्क (Hard Disk) क्याहोतीहै?....42

फ्लॉपीडिस्क(Floppy Disk) क्याहोताहै?....42

CD (Compact Disc) क्याहोतीहै?....43

मेमोरीडिस्कक्याहोतीहै?....43

DVD (Digital Video/Versatile Disk) क्याहोताहै?....43

Flash Drive/Pen Drive क्याहै?....44

Power Supply क्याहोताहै?....44

Expansion Card क्याहोताहै?....44

Processor क्याहै?....45

Mother Board क्याहै?....46

कंप्यूटरसॉफ्टवेयरक्याहै?.....47

कंप्यूटरहार्डवेयरक्याहै?.....48

सॉफ्टवेयरऔरहार्डवेयरमेंअंतरबतायें.....50

ARION SHIKSHAN & CHARITABLE SANSTHAN
EST. 2017
A.S.C SANSTHAN

Computer Fundamentals

इस Chapter के अन्दर हम वो चीजें सीखेंगे जो हर एक कंप्यूटर स्टूडेंट्स को सीखना बहुत जरुरी है जैसे- कंप्यूटर क्या है, कितने प्रकार के होते हैं, माउस क्या है एवं इसके प्रकार,कंप्यूटर की इतिहास, कंप्यूटर की पीढ़ी, CPU क्या होता है, कीबोर्ड क्या है, मॉनिटर क्या है इत्यादि |

✍In this chapter, we will learn those things which are very important for every computer student to learn like- what is computer, how many types are there, what is mouse and its types, history of computer, generation of computer, what is CPU, what is keyboard, what is monitor, etc.

कंप्यूटर के बारें में पूरी जानकारी हमलोग Computer Fundamentals "Chapter"में ही प्राप्त करते हैं अर्थात कंप्यूटर के बारें में बेसिक जानकारी प्राप्त करना हीComputerFundamentals कहलाता है |

✍We get complete information about computer in Computer Fundamentals "Chapter" only, that is, getting basic information about computer is called Computer Fundamentals.

इस Chapter से बहुत सारे Exams में सवाल किये जाते हैं | आप देखेंगे की जिस भी Exam में कंप्यूटर से सम्बंधित सवाल किये जाते हैं वहाँ पर जरुर थोड़े बहुत सवाल इस Chapterसे किये जाते हैं| अगर आप ComputerFundamentals को अच्छी तरह से पढ़ लेंगे तो आप इन सारे सवालों को आसानी से दे सकते हैं |

✍Questions are asked from this chapter in many exams. You will see that in whichever computer-related questions are asked, there are definitely a few questions asked from this chapter. If you will read Computer Fundamentals thoroughly then you can easily answer all these questions.

कंप्यूटर क्या होता है?

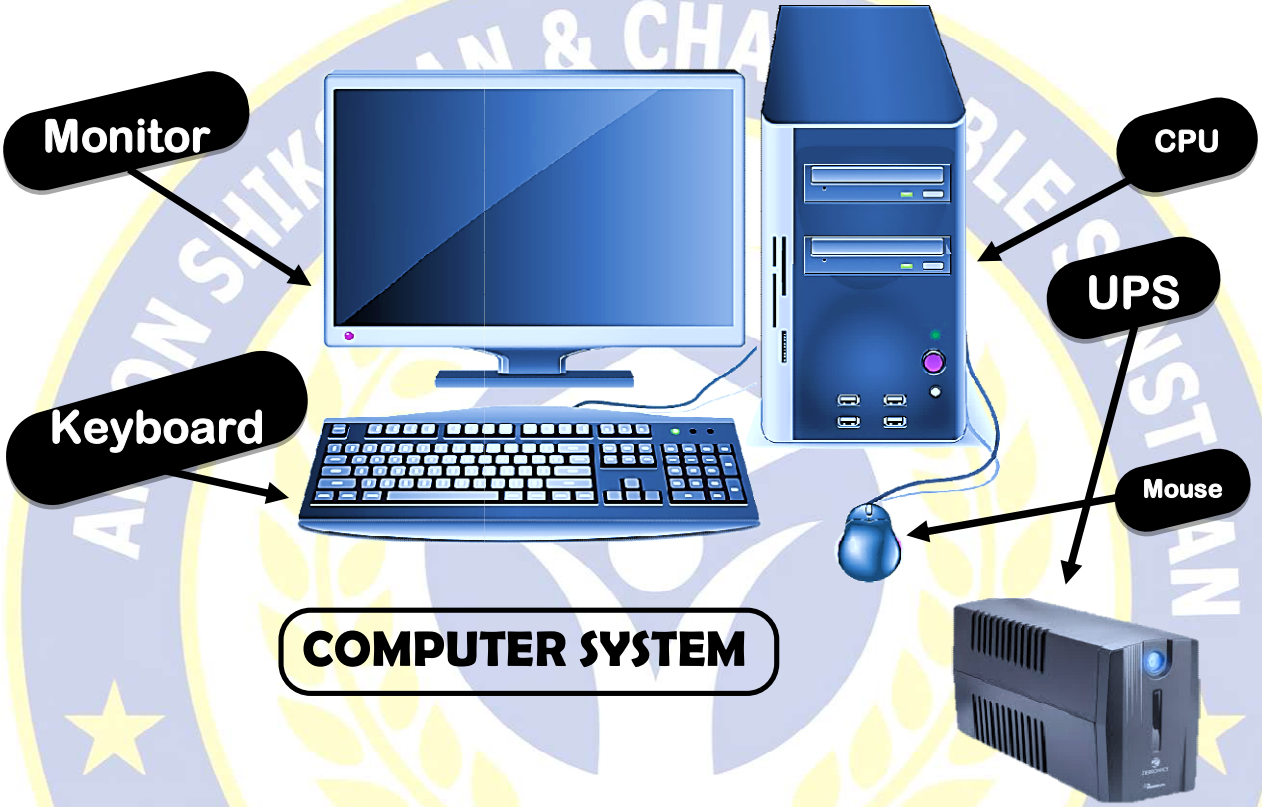
कंप्यूटर बिजली से चलने वाली एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन होता है, जो कि इनपुट के रूप में डेटा को ग्रहण करता है और सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम के अनुसार, उसे प्रोसेस करके हमें आउटपुट के रूप में प्रदर्शित अर्थात उसका रिजल्ट्स दिखाता है |

✍A computer is an electronic machine that accepts data as input and processes it according to software or programs and shows us the results as output.

Dear Student मैं आपको बता दूँ कि "कंप्यूटर" शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के "computare" शब्द से हुई है | आपको कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलेगा की "कंप्यूटर" शब्द की उत्पत्ति "compute" से हुई है, मगर दोनों का हिंदी मतलब "गणना करना" ही होता है |



✍Dear Student Let me tell you that the word "computer" is derived from the Latin word "computare". You will also see somewhere that the word "computer" is derived from "compute", but both have Hindi meaning "to calculate".



COMPUTERका पूरा नाम क्या होता है?

C - Commonly (आम तौर पर)
O - Operated (संचालित)
M - Machine (मशीन)
P - Particularly (विशेष रूप से)
U - Used For (प्रयुक्त)
T - Trade (तकनीक)
E - Educationand (शैक्षणिक)
R - Research (अनुसंधान)

अर्थात, जिसका उपयोग गणना, प्रक्रिया , अनुसंधान आदि कार्यों में किया जाता हो That , which is used in calculations, processes, research, etc.?

कंप्यूटर के कुछ विशेषतायें या लाभों को बतायें

कंप्यूटर के निम्नलिखित विशेषताएं हैं.....

The computer has the following characteristics.

(1) कंप्यूटर एक सेकेंड में लाखों गणनाएँ कर सकता है|
Computer can do millions of calculations in a second.

(2) कंप्यूटर कठिन से कठिन सवालों का जवाब बिना किसी गलती के उसका परिणाम निकाल देता है (The computer answers the most difficult questions without any mistake.)

(3) हम जितनी डाटा को चाहे कंप्यूटर के अन्दर रख सकते हैं और आवश्यकता के अनुसार उसका प्रयोग भी कर सकते हैं (We can keep as much data as we want inside the computer and can also use it as per the requirement.)

(4) हम कंप्यूटर की सहायता से बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेलवे स्टेशन, अस्पताल इत्यादि में, पैसे की लेन-देन, डाटा इंट्री इत्यादि के लिए कर सकते हैं (With the help of computer, we can do it for bank, post office, railway station, hospital etc., For money transactions, data entry etc.)

(5) कंप्यूटर में बहुत ज्यादा सिक्यूरिटी दिया जाता है जिसके जरिये हम अपने कंप्यूटर में पासवर्ड लगाकर सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रख सकते हैं (High security is given in the computer, through which we can keep all the documents safe by putting password in our computer.)

(6) आजकल कंप्यूटर का इस्तेमाल सुरक्षा के लिए भी किया जा रहा है, जिससे कि किसी को भी Track किया जा सकता है और ये पता लगाया जा सकता है कि कौन-कहाँ पर क्या हमला कर रहा है? अब ये हमला किसी भी तरह का हो सकता है जैसे: हवाई हमला, फायरिंग हमला इत्यादि |
Nowadays computers are also being used for security, so that anyone can be tracked and find out who is attacking what and where? Now this attack can be of any kind like: air attack, firing attack etc.

(7) आजकल मनोरंजन या पढ़ाई के लिए भी कंप्यूटर का इस्तेमाल बहुत ज्यादा किया जा रहा है |
Nowadays, computers are being used a lot for entertainment or even for studies.

(8) कंप्यूटर के होने से व्यापारियों को काफी फायदा हो गया है, वो एक ही स्थान से सारे कामों को मैनेज, देख-रेख या लें-देन कर सकते हैं |

Merchants have benefited a lot due to the presence of computers; they can manage, manage or transact all the work from one place.

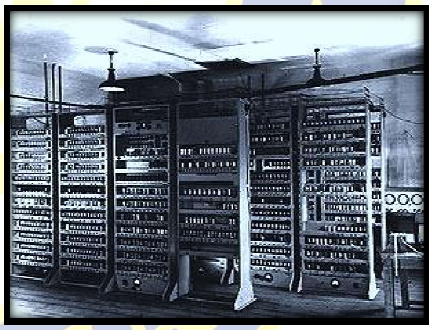
(9) सरकारी दफ्तारों में कंप्यूटर का इस्तेमाल बहुत ज्यादा मात्रा में किया जा रहा है |
Computers are being used in large quantities in government offices.
(10) रेलवे या वायुयान जैसे जगहों पर भी कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाता है, इसके साथ वैज्ञानिक लोग नए-नए खोज या शोध करने के लिए भी कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं |
Computers are also used in places like railways or aircraft, along with this, scientists also use computers to make new discoveries or research.

✍कंप्यूटर के और भी कई विशेषतायें और लाभ हैं जिसे मुझे बताने कि जरुरत नहीं है, आप वर्तमान समय में कंप्यूटर का प्रयोग और लाभों को आसानी पूर्वक देख और अनुभव कर सकते हैं |
There are many other features and benefits of computer which I do not need to tell, you can easily see and experience the use and benefits of computer in the present time.

कंप्यूटर विकास के इतिहास को लिखें

अगर बात आती है कंप्यूटर विकास के इतिहास कि, त, इसका मतलब यही है कि कंप्यूटर का विकास कैसे-कैसे हुआ, शुरुआत में इसपर किस तरह से काम किया गया और Finally किस तरह का कंप्यूटर लॉन्च किया गया? पहले के जमाने में किस तरह का कंप्यूटर रहा करता था और कैसे-कैसे इसे Develop किया गया |

If it comes to the history of computer development, then it means that how the computer was developed, how was it worked in the beginning and finally what kind of computer was launched? What kind of computer used to be in earlier times and how it was developed?



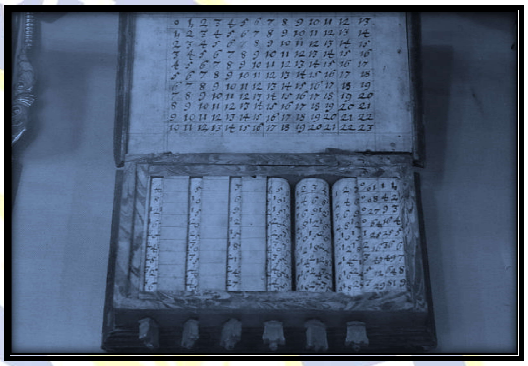
(i) सबसे पहले "Abacus" नामक एक यन्त्र आई थी जो कि "ली काई चेन" (चीन) के द्वारा 16 वीं शताब्दी में बनाया गया था इसका काम सिर्फ जोड़ना, घटाना और वर्गमूल निकालने जैसा काम था, ये यन्त्र लकड़ी का बना हुआ रहता था वो भी बहुत बड़ी आकार कि जिसे देखने के बाद आपका दिमाग तो खराब होगा ही, इसके साथ आप सोंच में भी पड़ जायेंगे कि आखिर इसे किस तरह से मैनेज किया जाता होगा

First came a machine called "Abacus" which was made in the 16th century by "Li Kai Chen" (China), its work was just like adding, subtracting and find square root, this machine was made of wood. It used to be so big that after seeing it, your mind will be spoiled, with it you will also get into the thought that how it will be managed.

मैं आपको बता दूँ कि यह लकड़ी के ढाँचा से तैयार किया गया यन्त्र था जो कि ये Horizontally तारों में गोलाकार मोतियों के द्वारा गणना करता था, आपको चित्र से कुछ-न-कुछ समझ में आ ही रहा होगा |

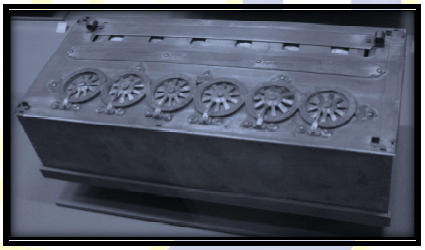
Let me tell you that it was a machine made of wood which was calculated horizontally by spherical beads in stars. You must have understood something from the picture.

(ii) उसके बाद सन 1617 में John Napier (स्कॉटलैंड) नामक वैगानिक ने Napier Bons नामक एक Calculation करने वाली मशीन का निर्माण किया था जिसमें की 0 से 9 तक की पहाड़े लिखें हुयें रहते थें जिसके जरिये गुणा का काम किया जाता था |

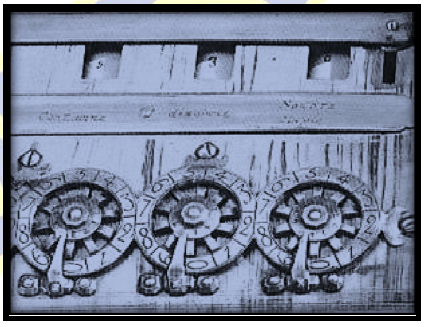


Then in 1617, John Napier (Scotland), a scientist named John Napier, built a calculating machine called Napier Bon's, in which the multiplication of 0 to 9 were written, through which multiplication was done.

(iii) वास्तव में ये भी एक कैलकुलेटर ही था जिसके जरिये सभी संख्याओं को जोड़ने और घटाने का कार्य किया जाता था, जो की ब्लेज पास्कल (फ्रांस) के द्वारा सन 1642 में निर्माण किया गया था | इसे प्रथम मैकनिकल मशीन भी कहा जाता है |



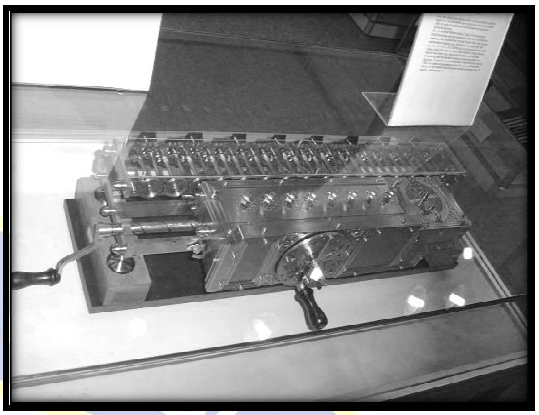
आप इस मशीन को ध्यान से देखें इसमें कई सारे चक्र हैं जिनपर 0 से 9 तक की संख्याएँ अंकित है जिसके जरिये सारा काम किया जाता है |



In actual, it was also a calculator through which adding and subtracting all the numbers was done by Blasé Pascal (France) in 1642. It is also called the first mechanical machine.

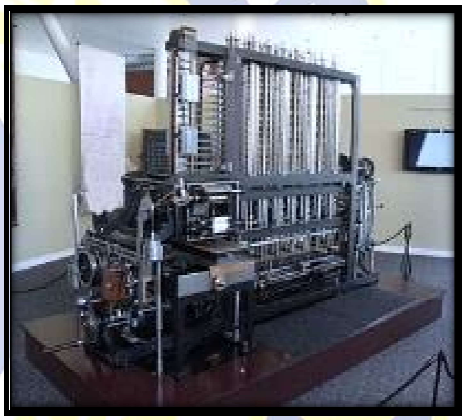
If you look at this machine carefully, there are many circles in which numbers from 0 to 9 are marked, through which all the work is done.

(iv) फिर "Leibnitz Calculator" नामक एक और कैलकुलेटर सन 1971 में Gottfried Leibnitz (जर्मन) के द्वारा निर्माण किया गया था जिसका काम जोड़ने और घटाने के साथ-साथ गुणा और भाग करने के लिए किया जाता था|



Then another calculator called "Leibnitz Calculator" was constructed in 1971 by Gottfried Leibnitz (German) whose work was to add and subtract as well as multiplication and division

(v) 1822 में चार्ल्स बैबेज (ब्रिटिश) के द्वारा "Difference Engine" नामक एक इंजन का आविष्कार किया जो कि भाप से चलती थी जिसका काम था जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग करने के साथ-साथ इसका प्रयोग बीजगणितीय फलनों में भी किया जाता था|



In 1822 by Charles Babbage (British) invented an engine called "Difference Engine" which was run by steam, which was used in addition, subtraction, multiplication and division as well as algebraic functions.

(vi) 1930 में मार्क-1 के नाम से विश्व का प्रथम पूर्ण स्वचालित विधुत यांत्रिक "गणना" करने वाला यंत्र का आविष्कार "हावार्ड आइकन" के द्वारा किया गया था जिसका प्रयोग सभी प्रकार के गणनाएँ करने के लिए किया जाता था |



In 1930, the world's first fully automatic electrical mechanical "calculating" device named Mark-1 was invented by the "Howard Icon" which was used to do all kinds of calculations.



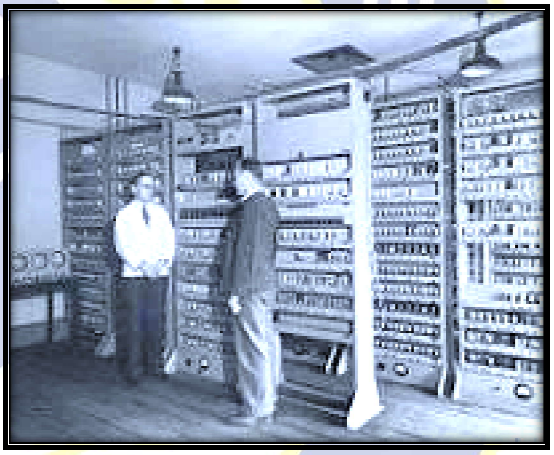
(vii) सन 1946 में "ENIAC" (ElectronicNumerical Integrator&Computer) नामक प्रथम पूर्णत: इलेक्ट्रॉनिक

डिजिटल कंप्यूटर का आविष्कार किया गया था जिसका आविष्कार जे० पी० एकर्ट और जॉन मौचली के सहयोग से किया गया | इसको मुख्य रूप से अमेरिकी सेना के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मदद के लिए बनाया गया थाजिसमें ये कंप्यूटर सभी सैनिकों को काफी मदद भी किया |

In 1946, the first fully electronic digital computer named "ENIAC" (Electronic Numerical Integrator & Computer) was invented in collaboration with J.P Eckert and John Mauchly.

It was mainly used by the US Army. This was built to help during World War II. in which these computers also helped all the soldiers greatly.

(viii) सन 1949 में "EDSAC" (ElectronicDelay Storage Automatic Calculator) नामक पहला प्रोग्राम संगृहीत डिजिटल कंप्यूटर का आविष्कार "मौरिस विकल्स" के द्वारा किया गया |

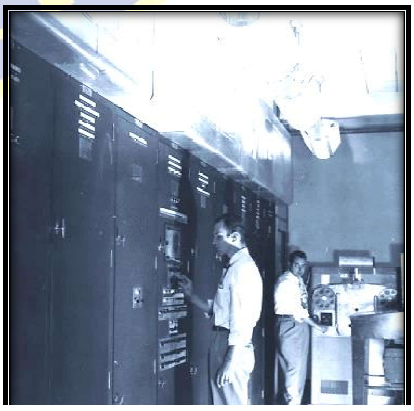


In 1949, the first program stored electronic computer named "Electronic Delay Storage Automatic Calculator" was invented by "Maurice Wickless".

✍यह दूसरा इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटर था जिसका प्रयोग वर्गों के पहाड़े और अभाज्य संख्या जैसे गणना करने के लिए किया जाता था...

✍It was the second electronic digital computer used to calculate squares such as squares and prime numbers.

(ix) सन 1950 में "EDVAC" (ElectronicDiscrete Variable Automatic Calculator) नामक कंप्यूटर "John Won Neumann" के द्वारा बनाया गया जिसका प्रयोग गणनाएँ करने के लिए किया जाता था |



In 1950, a computer named "Electronic Discrete Variable Automatic Calculator" was created by "John Won Neumann" which was used to do calculations.

(x) उसके बाद सन 1951 में "UNIVAC" (Universal Automatic Computer) नामक सामान्य उद्देश्य के लिए, प्रयोग किये जाने वाला प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर "जे प्रेस्पर एकर्ट और जॉन मौचली" के द्वारा बनाया गया था | ये कंप्यूटर साँख्यिकी और शाब्दिक दोनों प्रकार के डेटा को संसाधित करता था |



Then in 1951, the first electronic computer to be used for a general purpose called "Universal Automatic Computer" was made by "Presper Eckert and John Mauchly". This computer processed both statistical and textual data.

EST. 2017

कंप्यूटर के पीढ़ियों को लिखें

अगर बात आती है कंप्यूटर कि पीढ़ियों का तो, Actual में कंप्यूटर कि शुरूआत कब से हुई, उसकी बनावट, गुण, कीमत, स्पीड, साइज़ इत्यादि चीजों में कैसे-कैसे बदलाव कब और कैसे आता गया? इत्यादि चीजों के बारें में पढ़ना या दर्शाना ही कंप्यूटर की पीढ़ी कहलाता है |

✍If it comes to generations of computers here, when and how did the computer actually start, when and how did things change in its texture, quality, price, speed, size, etc.? Reading or appearing about things is called the generation of computers.

नोट: मैं बता दूँ कि सभी जगह आपको "Computer Generation का समय अलग-अलग मिलेगा जिसमें कि 1, 2 या 3 वर्षो का अंतर हो सकता है इसलिए आप इस बात से टेंशन ना लें कि सभी जगह अलग-अलग क्यों बताया जाता है, ये अनुमानित आकड़ें होते हैं |

Let me tell you that you will get different time of computer generation in every place, which can be a difference of 1, 2 or 3 years, so do not worry about why you are told different ways everywhere It is estimated that these figures are.

प्रथम पीढ़ी: जैसा कि आपने अभी "कंप्यूटर विकास के इतिहास" में देखा था कि सबसे पहला इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटर "ENIAC" था जो कि जे० पी० एकर्ट और जॉन मौचली के सहयोग से 1946 में तैयार किया गया था | इसके अलावा UNIVAC, EDVAC, EDSAC कंप्यूटर भी इस Generation में शामिल है जो कि इसके बारें में भी आपने पढ़ा थाअगर मैं इस पीढ़ी के टाइमिंग कि बात करूँ तो ये लगभग (1946-1956) तक चला था, जिसे ही First Generation यानी प्रथम पीढ़ी कहा जाता है |

First Generation: As you saw in "History of Computer Development", the first electronic digital computer was "ENIAC" which was built in 1946 in collaboration with JP Eckert and John Mauchly. Apart from this, UNIVAC, EDVAC, EDSAC computers are also included in this generation, which you have also read about it. If I talk about the time of this generation, it lasted (1946-1956),It is called the first generation.






इस पीढ़ी कि गुणवता, लक्षण या विशेषतायें

(i) स्विचिंग डिवाइस में वैक्यूब ट्यूब का प्रयोग होना |
Use of a vacuum tube in the switching device.

(ii) ये बहुत ही ज्यादा नाजुक, कम विश्वसनीय और देखने में बड़ी होती थी |
It was much more delicate, less reliable and larger in appearance.

(iii) इसमें बहुत ज्यादा एयर-कंडक्टरों का प्रयोग किया जाता था |
A lot of air-conductors were used in it.

(iv) संग्रहण के लिए मैग्नेटिक ड्रम का प्रयोग किया जाता था |
Magnetic drums were used for storage.

(v) इसकी स्पीड बहुत मंद थी |
Its speed was very slow.

(vi) मशीनी भाषाओं में प्रोग्रामिंग का प्रयोग होना |
Use of programming in machine languages.

(vii) ये बहुत ज्यादा खर्चीला होता था |
It used to be very expensive.

द्वितीय पीढ़ी: 1956 से "द्वितीय पीढ़ी" कि शुरुआत हुई थी इन सारे कम्प्यूटरों में ट्रांजिस्टर का प्रयोग किया गया था जिसके वजह से कंप्यूटरो में काफी बदलाव देखने को मिला जैसे: आकार छोटा होना, स्पीड में मुनाफ़ा होना, ज्यादा विश्वसनीय होना इत्यादि |



ये सब सारी प्रक्रिया सन (1956-1964) तक चला था जिसे ही द्वितीय पीढ़ी कहा जाता है |

Second Generation: "Second Generation" was started from 1956; transistors were used in all these computers, due to which computers have seen a lot of changes such as: being smaller, gain in speed, be more reliable, etc.

All this process went on till Sun (1956-1964) which is called second generation.

इस पीढ़ी कि गुणवता, लक्षण या विशेषतायें:

(i) प्रथम पीढ़ी से कम खर्चीले
✍ Less expensive than the first generation
(ii) प्रथम पीढ़ी से छोटा और रख-रखाव में आसान
✍ Smaller than the first generation and easy to maintain
(iii) इसकी स्पीड काफी तेज और विश्वसनीय योग्य
✍ Its speed is quite fast and reliable
(iv) वैक्यूब ट्यूब के बदले ट्रांजिस्टर का प्रयोग
✍ Use of transistors instead of vacube tubes
(v) प्रथम पीढ़ी से ज्यादा मजबूत और टिकाऊ
✍ Stronger and durable than the first generation



तृतीय पीढ़ी: इस पीढ़ी कि शुरुआत 1964 से हो गयी थी जो कि (1964-1973) तक चला था | तृतीय पीढ़ी के कंप्यूटर का वजन बहुत ही कम था और इसके अन्दर IC यानी "Integrated Circuit" का प्रयोग किया गया था |
Third Generation: This generation started from 1964 which lasted till (1964-1973). The third-generation computer had very little weight and IC was used in it.

इस पीढ़ी कि गुणवता, लक्षण या विशेषतायें:

(i) बहुत ही छोटे आकार का होना |
Being of very small size.
(ii) बहुत कम खर्चीले में तैयार हो जाना |
Getting ready at very low cost.
(iii) बहुत कम बिजली कि खपत होना |
Very low power consumption.
(iv) रख-रखाव में काफी आसान होना |
Easy to maintain
(v) स्पीड के मुकाबले "प्रथम और द्वितीय पीढ़ी" से काफी तेज होना |
To be much faster than "first and second generation" speed
(vi) बहुत ही ज्यादा विश्वसनीय होना |
To be very reliable
(vii) सभी पीढ़ियों से ज्यादा मजबूत और तीव्र गति से चलने वाला कंप्यूटर |

Stronger and faster running computer than all generations

(viii) IC का प्रयोग (Use of IC)

चतुर्थ पीढ़ी: इस पीढ़ी कि शुरुआत सन 1973 से हुई थी जो कि 1982 तक चली जो कि चतुर्थ पीढ़ी में रखा गया है , ऐसे ये अभी भी वर्तमान में चल रहा है |

Fourth Generation: This generation started from 1973 and lasted till 1982, which has been kept in the fourth generation, such that it is still currently running.



इस पीढ़ी कि गुणवता,आकार या विशेषतायें

(i) आकार में तो एकदम छोटा |

Very small in size.

(ii) स्पीड के मामले में काफी तेज |

Very fast in terms of speed.

(iii) रख-रखाव में और भी आसान, जहाँ चाहो वह पर ले जाओ |

Easier to maintain, take it wherever you want

(iv) बहुत कम खर्चीले में तैयार |

Prepared at very low cost.

(v) बहुत ही ज्यादा विश्वसनीय और टिकाऊ |

Very reliable and durable.

(vi) बहुत ही ज्यादा स्टोरेज कि क्षमता |

Extreme storage capacity.

(vii) बहुत ही कम बिजली कि खपत |

Very low power consumption.

(viii)Micro Processor का प्रयोग |

Use of Micro Processor.

पाँचवीं पीढ़ी: 1982 से लेकर अबतक के सभी कंप्यूटर "पाँचवीं पीढ़ी" के अंतर्गत आते हैं इस पीढ़ी के कंप्यूटर अत्यंत



छोटे,शक्तिशाली, फ़ास्ट और उच्च तकनीक वाले होते हैं | इस पीढ़ी वाले कंप्यूटर के कई सारे मॉडल तैयार किये गए हैं जैसे:- डेस्कटॉप कंप्यूटर, लैपटॉप कंप्यूटर इत्यादि |

आजकल तो मोबाइल के साइज कि तरह कंप्यूटर आ गया है जिसमें आप कंप्यूटर कि तरह सभी तरह के काम को कर सकते हैं |

All computers from 1982 to now belong to the "fifth generation". This generation of computers is very small, powerful, fast and high tech. Many models of this generation of computers have been designed such as: - Desktop computers, Laptop computers etc.

Nowadays computer has come like the size of mobile in which you can do all kinds of work like a computer.

नोट: इस पीढ़ी के कंप्यूटर के बारें में मुझे और कुछ बताने कि जरुरत नहीं है क्योंकि आप अभी वर्तमान में देख सकते हैं कि कंप्यूटर के मदद से हम क्या-क्या कर सकते हैं |

There is no need to tell me more about this generation of computers because you can see at present what we can do with the help of computers.

कंप्यूटर के प्रकार को समझायें

कंप्यूटर को मुख्यत: तीन भागों में बाँटा गया है जो कि उसके आकार, उद्देश्य और अनुप्रयोग पर निर्भर करता है.....

आकार के आधार पर

(a) सुपर कंप्यूटर (Super Computer)
(b) मिनी कंप्यूटर (Mini Computer)
(c) मेनफ्रेम कंप्यूटर (Mainframe Computer)
(d) माइक्रो कंप्यूटर (Micro Computer)

उद्देश्य के आधार पर

(a) सामान्य उद्देशीय कंप्यूटर (General Purpose Computer)
(b) विशिष्ट उद्देशीय कंप्यूटर (Specific Purpose Computer)

अनुप्रयोग के आधार पर

(a) एनालॉग कंप्यूटर (Analog Computer)
(b) डिजिटल कंप्यूटर (Digital Computer)
(c) हाइब्रिड कंप्यूटर (Hybrid Computer)



सुपर कंप्यूटर क्या है ?



ये सबसे फास्ट और अधिक क्षमता वाला कंप्यूटर होता है इसपर एक से अधिक व्यक्ति एक बार में काम कर सकते हैं | इस कंप्यूटर कि साइज बहुत बड़ी होती है इसके वजह से इसकी कीमत बहुत ही अधिक होती है |

नोट:सुपर कंप्यूटर का प्रयोग मुख्यतः मौषम कि भविष्यवाणी जानने, अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने, प्रयोगशालाओं में शोध या खोज इत्यादि बड़े कामो को करने के लिए किया जाता है | सुपर कंप्यूटर सभी लोग नहीं रख सकते हैं क्योंकि ये बहुत बड़ी, महँगी और मार्केट में उपलब्ध भी नहीं होता है |

This is the fastest and most powerful computer; more than one person can work on it. The size of this computer is very large; due to this its price is very high.

Supercomputers are mainly used to know the prediction of weather, to send astronauts to space, to do research or research in laboratories, etc. Not everyone can keep a supercomputer because it is too big, expensive and not even available in the market.

विश्व के सबसे पहला सुपर कंप्यूटर का नाम "Cray-1" था जो कि 1979 (अमेरिका) में बनाया गया था और भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का नाम "परम" था जो कि 1998 में बनाया गया था...
The world's first supercomputer was named "Cray-1" which was made in 1979 (America) and India's first supercomputer was named "Param" which was built in 1998.

माइक्रो कंप्यूटर क्या है?

यह कंप्यूटर आकार में बहुत ही छोटा होता है इसलिए इसे "माइक्रो कंप्यूटर" कहते हैं | इस कंप्यूटर को आप टेबल पर आराम से रख सकते हैं और इसे प्रयोग में ला सकते हैं |
This computer is very small in size; hence it is called "Microcomputer". You can put this computer comfortably on the table and use it.

अगर मैं इसकी स्पीड कि बात करूँ तो इसकी स्पीड भी अन्य कंप्यूटर के जैसे ही होती है मगर इसपर एक बार में एक ही व्यक्ति कार्य कर सकता है |

वर्तमान समय में "माइक्रो कंप्यूटर" कि आकार बहुत ही छोटी हो चुकी है जो कि देखने में एकदम पुस्तक कि तरह होता है |

नोट: माइक्रो कंप्यूटर का प्रयोग मुख्यत: **व्यवसाय** या चिकित्सा में किया जाता है |

✍ If I talk about its speed, its speed is the same as other computers but only one person can work on it.
At present, the size of "microcomputer" has become very small, which is very much like a book in view.
✍ Microcomputers are mainly used in business or medicine.

मिनी कंप्यूटर क्या है?

"मिनी कंप्यूटर" का भी आकार बहुत छोटी होती है मगर इसकी कीमत और स्पीड माइक्रो कंप्यूटर से कहीं ज्यादा होती है | इस कंप्यूटर पर एक समय में एक या इससे अधिक व्यक्ति कार्य कर सकते हैं | मिनी कंप्यूटर का प्रयोग मुख्यत: छोटे-छोटे कम्पनियाँ करती है |

The size of a "mini computer" is also very small but its price and speed are much higher than a microcomputer. One or more people can work on this computer at the same time. Minicomputer is mainly used by small companies.

मेनफ्रेम कंप्यूटर क्या है?

मेनफ्रेम कंप्यूटर, मिनी कंप्यूटर से बड़े, खर्चीले होते हैं मगर उससे तेज गति से ये कार्य करता है |





नोट:मेनफ्रेम कंप्यूटर का प्रयोग मुख्यत: सरकारी दफ्तरों, बैंको, रेलवे, प्राइवेट कंपनियों, पैसो कि लेन-देन इत्यादि के लिए किया जाता है |

Mainframe computers are larger and even more expensive than mini computers, but they work even faster.
Note: Mainframe computers are mainly used for government offices, banks, railways, private companies, currency transactions etc.

सामान्य उद्देशीय कंप्यूटर क्या है?

इस तरह के कंप्यूटर का प्रयोग सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है जैसे: किसी तरह के डेटा को तैयार करना, प्रिंटिंग का काम करना, किसी तरह का सुचना पत्र तैयार करना इत्यादि

Such computers are used for accomplishing common purposes such as: preparing some types of data, printing work, preparing some types of newsletters, etc.

विशिष्ट उद्देशीय कंप्यूटर क्या है ?

इस तरह के कंप्यूटर का प्रयोग विशिष्ट उद्देश्यों कि पूर्ति के लिए किया जाता है जैसे: यातायात नियंत्रण, कृषि-विज्ञान, इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, मौसम विभाग इत्यादि |

Such computers are used for the fulfillment of specific objectives like: traffic control, agronomy, engineering, for astronauts, meteorological department etc.

एनालॉग कंप्यूटर क्या है ?

इस तरह के कंप्यूटर का प्रयोग दाब, तापमान, पारा, लम्बाई इत्यादि को मापकर उनके परिणाम को अंको में व्यक्त करने के लिए किया जाता है |

Such a computer is used to measure the pressure, temperature, mercury, length, etc. and to express their results in figures.

डिजिटल कंप्यूटर क्या है?

इस तरह के कंप्यूटर का प्रयोग अंको कि गणना करने के लिए किया जाता है | मैं आपको बता दूँ कि आजकल के जितने भी कंप्यूटर हैं वो सब डिजिटल कंप्यूटर में आ ही जाते हैं | ये कंप्यूटर इनपुट किया गए डेटा या प्रोग्राम्स को 0 और 1 में परिवर्तित करके इन्हें इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रयोग करते हैं और उसका रिजल्ट्स हमें आउटपुट के रूप में मिलता है | इस तरह के कंप्यूटर का प्रयोग मुख्यत: व्यापार को चलाने, घर के बजट तैयार करने इत्यादि में किया जाता है |

Such a computer is used to calculate digits. Let me tell you that all the computers that exist today, they all come in digital computers. These computers convert the input data or programs to 0 and 1 and use them in electronic form and the results are output to us Get as This type of computer is mainly used in running business, preparing household budget etc.

हाइब्रिड कंप्यूटर क्या है ?

इस तरह के कंप्यूटर में "एनालॉग और डिजिटल कंप्यूटर" दोनों के गुण संम्मिलित होते हैं |

नोट: ये कंप्यूटर दोनों का काम कर सकता है...

Such a computer incorporates the qualities of both "analog and digital computers".
Note: This computer can do both.

तुम अपनी शक्तियों पर भरोसा करो, क्योंकि अपने बल पर ही सब कुछ किया जा सकता है | अगर आप चाहते हो की कोई भी काम अच्छे से हो, तो उस काम को खुद करो,

कंप्यूटर के भाग

कीबोर्ड क्या होती है?

कीबोर्ड एक Input Device है, कीबोर्ड का उपयोग कंप्यूटर को अक्षर और अंकीय रूप में डेटा और सूचना देने के लिए करते हैं | कीबोर्ड में कई सारे बटन होते हैं मगर ये निश्चित नहीं है की कितने बटन होते हैं? क्योंकि ये सब उसकी साइज, कीमत और कंपनी पर निर्भर करता है |

✍मैं आपको बता दूँ की यूजर के द्वारा कीबोर्ड में दबाई गई बटन को कीबोर्ड सबसे पहले बफर में स्टोर करता है और उसके बाद उस कोड को CPU के पास भेजता है फिर CPU उस कोड को प्रोसेस करने के बाद उसे आउटपुट के रूप में प्रदर्शित करता है |

The keyboard is an Input Device; the keyboard is used to give data and information to the computer in alphabetical and numerical form. The keyboard has many buttons but it is not sure how many buttons are there? Because it all depends on its size, price and company.

Let me tell you that the button that is pressed by the user in the keyboard first stores the keyboard in the buffer and then sends that code to the CPU, then the CPU processes that code and displays it as output.



नोट:- वे युक्तियाँ जो यूजर के द्वारा कंप्यूटर को निर्देश देने के लिए किया जाता है उसे इनपुट डिवाइस कहते हैं जैसे- Keyboard, Mouse, Modem, Scanner इत्यादि और वे युक्तियाँ जो यूजर के द्वारा निर्देश के बाद आउटपुट के रूप में उसका परिणाम देता है उसे आउटपुट डिवाइस कहते हैं जैसे- मॉनिटर, स्पीकर, प्रिंटर, सक्रीन प्रोजेक्टर इत्यादि।

(i) Alphanumeric Keys: "AlphanumericKeys" के अन्दर Alphabet + Number, दोनों अक्षर आता है जैसे- (A, B, C, D, E, F ,G,H,I ,J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z) या (a, b, c, d, e, f,g, h, i, j, k, l, m, n, o, p, q, r, s, t, u, v, x, y,z) और (0,1,2,3,4,5,6,7,8,9).

("Alphanumeric Keys" includes both Alphabet + Number (A, B, C, D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R , S, T, U, V, W, X, Y, Z) or (a, b, c, d, e, f, g, h, i, j, k, l, m, n, o, p , q, r, s, t, u, v, x, y, z) and (0,1,2,3,4,5,6,7,8,9).

(ii) Numeric Keys: मैं आपको बता दूँ की कीबोर्ड में दो तरफ "Numeric Keys" होती है एक Function Keys के ऊपर और एक दाएँ तरफ होती है तो जो दाएँ तरफ होती है, उसे ही Numeric Keys कहते हैं | जो की 0, 1..... 9 तक होती है |

(Let me tell you that the keyboard has "Numeric Keys" on two sides, one above the Function Keys and one on the right side, which is on the right side, it is called Numeric Keys. Which is up to 0, 1..... 9.)

(iii) Cursor Control Keys: इसके अंतर्गत ऐसी चार बटन आती है जिसमें की तीर वाली निशान होती है | इस बटन की सहायता से आप अपने माउस के Cursor को Up, Down, Left और Right में ले जा सकते हैं |

(Under this, there are four such buttons which have arrow marks. With the help of this button, you can move your mouse's Cursor to Up, Down, Left and Right.)

(iv) Home Key: इस Key का प्रयोग हमलोग तब करते हैं जब हमें माउस के कर्सर को किसी भी डाक्यूमेंट्स या लाइन के आरम्भ में जाना होता है |
(We use this key when we have to move the mouse cursor to the beginning of any document or line.)

(v) End Key: ये बटन Home Key के विपरीत काम करता है | इसकी मदद से आप अपने माउस के कर्सर को किसी भी लाइन या डाक्यूमेंट्स के अंत में ले जा सकते हैं |

(This button works unlike Home Key. With this help, you can move your mouse cursor to the end of any line or document.)

(vi) Page Up Key: इस Key का यूज आप तब कर सकते हैं जब आपको किसी भी डाक्यूमेंट्स के अन्दर एक पेज ऊपर Jump करना हो |
(You can use this key when you have to jump up a page inside any of the documents.)

(vii) Page Down Key: इस Key का यूज आप तब कर सकते हैं जब आपको कसी भी डाक्यूमेंट्स के अन्दर एक पेज निचे Jump करना हो |

(You can use this key only when you have to jump one page under any of the documents.)

(viii) Ctrl Keys: इस Key का यूज अकेले नहीं किया जाता है बल्कि किसी दुसरे Key के साथ मिलकर एक विशेष कार्य को करने के लिए किया जाता है | जैसे- Ctrl+A = All Select, Ctrl+S = Save इत्यादि | ये लगभग सभी कीबोर्ड में दो बटन दिया जाता है एक Left की तरफ और एक Right की तरफ होता है |

This key is not used alone but in collaboration with another key to perform a specific task. Like- Ctrl + A = All Select, Ctrl + S = Save etc. In almost all keyboards, two buttons are given, one is on the left side and one is on the right side.

(ix) Shift /Combination Key:मैं आपको बता दूँ की कीबोर्ड में कुछ ऐसी भी बटन होती है जिसमें की ऊपर और निचे दो संकेत छपे होते हैं, तो अगर आपको ऊपर वाली संकेत को टाइप करना है तो आपको Shift के साथ उस बटन को दबाना होगा | ये भी लगभग सभी कीबोर्ड में दो बटन दिया जाता है एक Left की तरफ और एक Right की तरफ |

Let me tell you that there are some buttons in the keyboard in which the two signs are printed at the top and bottom, so if you have to type the above signal, then you have to press that button with Shift. It is also given two buttons in almost all keyboards, one towards Left and one towards Right.

(x) EscKey: वर्तमान समय में खुले किसी भी प्रोग्राम को बंद करने के लिए Esc यानी Escape Key का यूज किया जाता है | अगर आप Ctrl Key के साथ Esc Key दबाते हैं तो आपके कंप्यूटर में स्टार्ट मेनू ओपन हो जाता है |
Esc i.e., Escape Key is used to close any program open at the present time.
Note- If you press the Esc key with the Ctrl key, the Start menu opens in your computer.

(xi) Delete Key: इस Key का प्रयोग हमलोग किसी भी प्रोग्राम, फाइल या डेटा को हटाने के लिए करते हैं | नोट- अगर आप Shift के साथ में किसी भी फाइल, डाक्यूमेंट्स या प्रोग्राम्स को डिलीट करते हैं तो वो बिना Recycle n Bin के हमेशा के लिए आपके कंप्यूटर से हट जायेगा |
We use this key to remove any program, file or data.
If you delete any files, documents or programs with Shift, then it will be removed from your computer without Recycle n Bin forever.

(xii) Backspace Key: इस Key का प्रयोग टाइप किये गए किसी भी डेटा या सूचना को "दाएँ से बाएँ" की तरफ समाप्त करने के लिए किया जाता है |

This key is used to eliminate any typed data or information from "right to left".

(xiii) Spacebar Key: इस Key का प्रयोग दो शब्दों या अक्षरों के बीच स्पेस बढ़ाने के लिए किया जाता है,, जो की कीबोर्ड में लम्बी Key होती है |

This key is used to increase the space between two words or letters, which is the long key in the keyboard.

(xiv) Num Lock Key: इस Key का उपयोग Numeric Key Pad को Off और On करने के लिए किया जाता है | अगर Numeric Key Off रहेगा तो आप उसके अन्दर आनेवाले किसी भी Keys को यूज नहीं कर सकतें जब तक की आप उसे दूबारा On नहीं कर लेतें | मैं आपको बता दूँ की जब आप Num Lock Key को दबाते हैं तो आपके कीबोर्ड में एक लाइट के द्वारा indicate कर दिया जाता है की Num Lock Key Off है या On.

This key is used to turn Numeric Key Pad off and on. If the numeric key is off, then you cannot use any of the keys inside it unless you turn it on again. Let me tell you that when you press Num Lock Key, your keyboard is indicated by a light whether Num Lock Key is off or on.

(xv) Windows Key: इस Key का प्रयोग Start Menu को खोलने के लिए किया जाता है | साथ में मैं आपको बता दूँ की ये key आजकल सभी कीबोर्ड में Double दिए जाते हैं |
This key is used to open the Start Menu. Together let me tell you that these keys are given double in all keyboards nowadays.

(xvi) Tab Key: इस Key का प्रयोग Cursor को एक बार में पाँच पोइंट आगे ले जाने के लिए किया जाता है | मैं आपको बता दूँ की आप इसे अपने हीशाब से सेट कर सकते हैं |
This key is used to move the Cursor forward five points at a time. Let me tell you that you can set it with your own diamond.

(xvii) Enter Key: इस Key का यूज Paragraph Change करने के लिए किया जाता है | इसके अलावा भीइस keys का यूज किया जाता है |
This key is used to change the paragraph. Apart from this, these keys are also used.

(xviii) Capes Lock: अगर कीबोर्ड में Capes Lock On रहेगा तो आप कीबोर्ड में कोई भी Alphabet को टाइप करंगे तो वो Alphabet Capital में टाइप होगा और Off रहेगा तो Small में |
If the keyboard has Capes Lock On, then if you type any Alphabet in the keyboard, it will be typed in Alphabet Capital and it will be off and in Small.

(xix) Print Screen/SysRq: इस Key का यूज वर्तमान समय में open किसी भी प्रोग्राम का Screen Shot लेने के लिए किया जाता है | मगर ध्यान रहे Screen Shot लेने के बाद आपको किसी न किसी सॉफ्टवेयर में जाकर आपको Ctrl+v की मदद से paste करना होगा तभी वो सक्रीन शॉट आपके सामने दिखेगा |
This key is used to take screen shot of any program currently open. But keep in mind, after taking Screen Shot, you have to go into some software and paste it with the help of Ctrl + v, then that screen shot will be seen in front of you.

(xx) Function Keys: "Function Keys" कीबोर्ड के सबसे उपरी भाग में होता है जिसका प्रयोग एक विशेष कार्य करने के लिए किया जाता है जो F1, F2, F3, F4, F5, F6, F7, F8, F9, F10, F11 और F12 के रूप में अंकित किया हुआ रहता है |

"Function Keys" is at the topmost part of the keyboard which is used to perform a specific function which is F1, F2, F3, F4, F5, F6, F7, F8, F9, F10, F11 and F12 Remains marked.

अब ये जरुरी नहीं है की Function Keys का प्रयोग अकेले ही हो, ये किसी अन्य Button के साथ भी प्रयोग किया जा सकता है ये सब आपके सॉफ्टवेयर पर निर्भर करता है की आप कौन से सॉफ्टवेयर पर वर्क कर रहे हैं (Now it is not necessary that Function Keys should be used alone, it can also be used with any other button, it all depends on your software, which software you are working on.)

उदाहरण से समझे की Function Keys का इस्तेमाल अकेले और अन्य बटन के साथ कैसे प्रयोग किया जा सकता है? (Understand from the example how Function Keys can be used alone and in combination with other buttons.)

आप देख सकते हैं Function Keys का प्रयोग			
Page Maker 7.0		Text Tool	Shift + Alt + F1
Rotation Tool	Shift + F2	Crop Tool	Shift + Alt + F2
Line Tool	Shift + F3	StraightLine Tool	Shift + Alt + F3
Rectangle Tool	Shift + F4	RectangleFrame Tool	Shift + Alt + F4
Ellipse Tool	Shift + F5	Ellipse Frame Tool	Shift + Alt + F5
Polygonal Tool	Shift + F6	Polygonal Frame Tool	Shift + Alt + F6

Hand Tool	Shift + F7	Zoom Tool	Shift + Alt + F7

F1: Help ऑप्शन को खोलने के लिए F1 बटन का प्रयोग करते हैं | आप जिस सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम्स में F1 प्रेस करेंगे उसमें Help ऑप्शन खुलकर आपके सामने आ जायेगा... वहाँ जो चाहे वो हेल्प ले सकते हैं |

Use the F1 button to open the Help option. In the software or programs in which you press F1, the Help option will open in front of you. You can take help wherever you want.

F2: इस Function Key का इस्तेमाल किसी भी Folder को Rename करने के लिए किया जाता है

This Function Key is used to rename any Folder.

F3: इस Function Key का इस्तेमाल कंप्यूटर में किसी भी Folder, Image, Video, Software इत्यादि चीजों को सर्च करने के लिए किया जाता है | इसके अलावा इन्टरनेट पर भी F3 का प्रयोग किसी Web Page या अन्य चीजों को खोजने के लिए किया जाता है

This Function Key is used to search any Folder, Image, Video, Software etc. things in the computer. Apart from this, F3 is also used on internet to search for a web page or other things.

F4: इस Function Key का इस्तेमाल अन्य Key के साथ कर सकते हैं जैसे:
Alt + F4- Shut Down, इसके अलावा भी F4 का इस्तेमाल अन्य बटन के साथ किया जाता है
You can use this function key with other keys like:
Alt + F4- Shut Down, Also F4 is used with other buttons.

F5: इस Key का इस्तेमाल हमलोग तब करते हैं जब हमें अपने कंप्यूटर या वेब पेज को Refresh करना होता है
We use this key when we have to refresh our computer or web page.

F6:F6 का प्रयोग करके आप DirectWeb Page के URL के पास Jump कर सकते हैं और उसे Edit, Delete या अन्य URL को Type कर सकते हैं

Using F6, you can jump near the URL of the Direct Web Page and type it in Edit, Delete or other URLs.

F7:F7 का प्रयोग Spellingको Check करने और किसी अन्य बटन के साथ इसका प्रयोग किया जाता है

F7 is used to check spelling and with any other buttons.

F8: अगर आप Safe Mode में जाना चाहते हैं तो Window Booting के वक्त F8 प्रेस कर सकते हैं और Safe Mode में आसानी से जा सकते हैं

If you want to go to Safe Mode, then during window booting you can press F8 and go to Safe Mode easily.

F9: इस Function Key का इस्तेमाल अकेले नहीं बल्कि इसके अलावा किसी दुसरे बटन Shift, Alt के साथ इसका प्रयोग किया जाता है |

This Function Key is not used alone but in addition to it is used with another button Shift, Alt.

F10:इस Key का इस्तेमाल अकेले नहीं होता है बल्कि किसी अन्य Key के साथ इसका इस्तेमाल किया जाता है | Shift +F10 प्रेस करने पर Right Click Menu ओपन होता है जो की माउस के राईट बटन प्रेस करने पर खुले ऑप्शन के समान होता है |

This key is not used alone but is used with any other key. Pressing Shift + F10 opens the Right Click Menu which is similar to the open option when the mouse presses the right button.

F11: Browser को Full Screen मोड में देखने या लाने के लिए इस बटन का प्रयोग किया जाता है

This button is used to view or bring the browser into full screen mode.

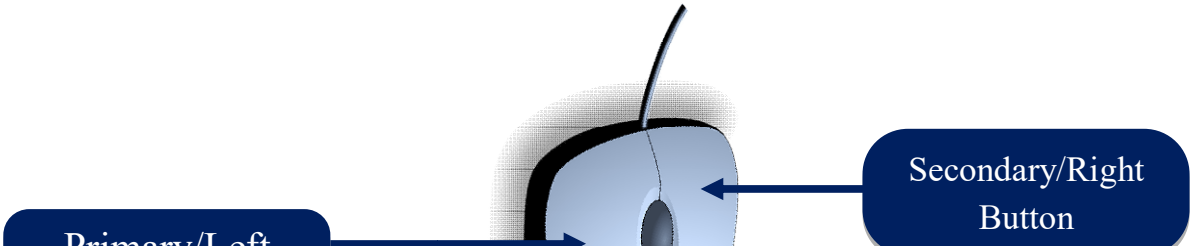
F12: इस बटन का प्रयोग सभी जगह अलग-अलग रूप में होता है | अगर आप क्रोम ब्राउज़र में F12 प्रेस करेंगे तो कुछ और और Microsoft Word में F12 प्रेस करेंगे तो Save करने का ऑप्शन खुल जायेगा जो की Actual में Save as होता है |

This button is used in different forms everywhere. If you press F12 in the Chrome browser, then press F12 in Microsoft Word, then the option to save will open as save in Actual.

माउस क्या है ?एवं इसके प्रकार को लिखें

माउस एक प्रकार का Pointing Device है जिसके जरिये आप Cursor Point को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेजा सकते हैं |

Mouse is a type of pointing device through which you can move Cursor Point from one place to another.





(i) Left Button: अगर आप माउस का Left Button एक बार Click करते हैं तो यह सक्रीन पर दिखाई दे रहे किसी एक Object को चुनता है और यदि Double Click करते हैं तो वो प्रोग्राम Open हो जाता है | साथ ही साथ इस Button की मदद से आप किसी भी एक या एक से अधिक Object को Drag&Drop कर सकते हैं |

If you click the left button of the mouse once, it selects one of the objects appearing on the screen, and if you double click the program opens. Also, with the help of this button you can drag & drop any one or more objects.

(ii) Right Button: अगर आप माउस का Right Button क्लिक करते हैं तो आप किसी चुने हुए Object के गुण को Access कर सकते हैं |
If you click the right button of the mouse, you can access the properties of a chosen object.

(iii) Scroll Button: इस बटन का इस्तेमाल किसी बड़े डॉक्यूमेंट को स्क्रोल करके देखने के लिए किया जाता है (This button is used to scroll through a large document.)

नोट: माउस के "लेफ्ट बटन" को "राईट बटन" में और "राईट बटन" को "लेफ्ट बटन" में बदला जा सकता है |
Note: Mouse's "Left Button" can be changed to "Right Button" and "Right Button" to "Left Button".

माउस मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं-



(i) Mechanical Mouse:ये माउस सबसे पुराना है, ये पहले के जमाने प्रयोग किया जाता था जो की यूजर को बहुत ही ज्यादा दिक्कत होता था |

This mouse is the oldest; it was used in earlier times, which was very difficult for the user.

Mechanical Mouse के अंदर Metallic या Rubber की Ball लगी रहती थी जब हम इस Rubber Ball को Pad पर रखकर किसी भी दिशा में घुमाते थें तो माउस के अंदर Sensorलगा रहता था जो कि माउस की movement को catch करता था और तब जाकर कंप्यूटर screen पर माउस पॉइंटर मूव करता है |

Metallic or Rubber Ball used to be placed inside the Mechanical Mouse. When we used to put this Robber Ball on the pad and rotate it in any direction, there was a sensor inside the mouse which used to catch the movement of the mouse and then go to the computer screen. The mouse pointer moves.

(ii) Optical Mouse: Optical Mouse, Wireless Mouse की तरह ही होता है मगर सिर्फ अंतर इतना है की ये केबल के द्वारा कंप्यूटर में कनेक्ट होता है |
Optical mouse is similar to wireless mouse but the only difference is that it connects to the computer via cable.



(iii) WirelessMouse: Wireless Mouse उस Mouse को कहते हैं जिसमें की कोई Cable नहीं लगा होता है ये माउस कंप्यूटर से कनेक्ट करने के लिए Wireless technology का इस्तेमाल करता है लेकिन इसके लिए आपको एक USB लगाना होगा जो की माउस के साथ दिया जाता है |





Wireless Mouse is a mouse that does not have any cables. This mouse uses Wireless technology to connect to the computer, but for this you need to install a USB that is provided with the mouse.

मॉनिटर क्या है ?एवं इनके प्रकार को लिखें

मॉनिटर एक आउटपुट डिवाइस है, जिसे हमलोग VDU यानी Virtual DisplayDevice भी कहते हैं | मॉनिटर कंप्यूटर से प्राप्त परिणाम को सक्रीन पर सॉफ्ट कॉपी के रूप दिखाता है अब स्क्रीन पर ये क्या दिखायेगा ये आपके एप्लीकेशन और आपके उपर निर्भर करता है |

Monitor is an output device, which we also called VDU i.e., Virtual Display Device. The monitor shows the result obtained from the computer as a soft copy on the screen, now what it will show on the screen depends on your application and you.

मॉनिटर कई तरह के होते हैं-



(i) CRT (Cathode-Ray-Tube)- यह मॉनिटर आयतकार बॉक्स की तरह होता है जो पहले के जमाने में डेस्कटॉप कंप्यूटर के साथ आउटपुट देखने के लिए किया जाता है मगर ये काफी बड़ा और भारी भी होता है |

This monitor is like a rectangular box which was used to view the output with the desktop computer in the past, but it is also big and heavy.



(ii) LCD (Liquid Crystal Display)- आजकल सबसे अधिक प्रयोग होनेवाला मॉनिटर है जो की डेस्कटॉप कंप्यूटर के साथ आउटपुट देखने के लिए किया जाता है | मैं आपको बता दूँ की ये CRT से कम हल्का होता है परन्तु ये काफी महँगा होता है |
Nowadays the most commonly used monitor is that which is used to view the output with a desktop computer. Let me tell you that it is lighter than CRT but it is very expensive.

(iii) LED (Liquid Emitted Diode)- ये एक ऐसा मॉनिटर है जो आजकल सभी घरो में प्रयोग किया जाता है साथ ही साथ आप इसे कंप्यूटर के साथ आउटपुट देखने के लिए भी कर सकते हैं |



This is such a monitor that is used in all the homes these days, as well as you can do it with the computer to see the output.

Scanner क्या होता है? इसके बारें में समझायें

स्कैनर एक इनपुट डिवाइस है जो किसी भी चित्र या अक्षर को किसी अन्य सॉफ्टवेयर कि मदद से हु –बहु उसके जैसा ही Capture करता है जिसको आप पुनः एडिट करके उसे प्रिंट आउट करके किसी अन्य जगह पर प्रयोग कर सकते हैं

A scanner is an input device that captures any picture or letters exactly the same with the help of any other software, which you can re-edit and print it out and use it elsewhere.

✍ मैं आपको बता दूँ स्कैनर Laser किरणों का इस्तेमाल करती है और उसका आउटपुट रिजल्ट आपके मॉनिटर पर दिखाता है जो डॉक्यूमेंट आपने इस डिवाइस में स्कैन करने के लिए डाला था.

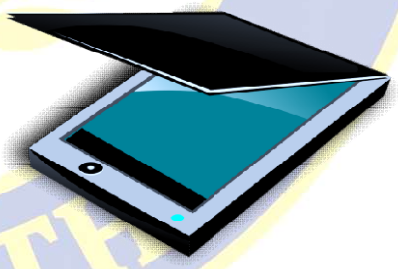
Let me tell you, the scanner uses Laser rays and shows its output result on your monitor which document you inserted to scan in this device.

✍ साथ ही मैं आपको बता दूँ कि स्कैनर एक तरह के नहीं होते हैं इसके कई प्रकार होते हैं? अब ये सब उसकी कंपनी, साइज़ और कीमत उसके साथ हमारी जरूरतों पर पर निर्भर भी करती है क्योंकि हमें जिस तरह का स्कैनर चाहिए उसी तरह हा स्कैनर हमलोग खरीदेंगे...

Also let me tell you that there are many types of scanners that are not of the same kind? Now it all depends on his company, size and price along with our needs because we will buy the scanner in the same way that we want.

स्कैनर के कुछ प्रकार:-

(i) Flat Bed scanner: मैं आपको बता दूँ कि फ्लैटबेड स्कैनर का प्रयोग आजकल ज्यादा होता है इसे हमलोग डेस्कटॉप स्कैनर भी कहते हैं | इस स्कैनर के जरिये किसी भी डॉक्यूमेंट को स्कैन करने के लिए उस डॉक्यूमेंट को इस स्कैनर पर सिर्फ रखना होता है और ये स्कैन कर देता है



✍आप इस स्कैनर पर किसी पुस्तक को भी स्कैन कर सकते हैं... मगर एक बार में केवल एक ही डॉक्यूमेंट या पुस्तक को स्कैन किया जा सकता हैं |

Let me tell you that nowadays flatbed scanners are more used; we are also called desktop scanners. To scan any document through this scanner, just have to put that document on this scanner and scan it

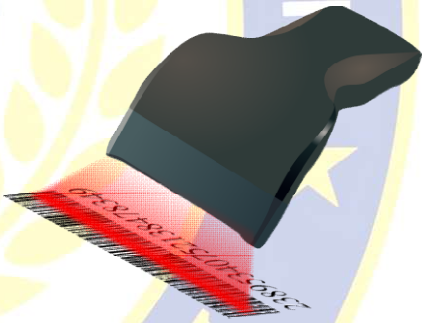
✍You can also scan a book on this scanner. but only one document or book can be scanned at a time.

(ii) Sheet Fed Scanner: ये भी फ्लैटबेड स्कैनर कि तरह ही होता है मगर इसके अन्दर किसी भी डॉक्यूमेंट को डालना होता है और ये स्कैनर उस डॉक्यूमेंट को धीरे-धीरे अन्दर कि ओर खींचता है और वो डॉक्यूमेंट धीरे-धीरे स्कैन होता जाता है, हालाकि इस स्कैनर से आप एक बार में कई सारे डॉक्यूमेंट को स्कैन कर सकते हैं मगर इसके अन्दर पुस्तक को स्कैन नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसके Tray में उतना जगह नहीं होता है |



✍It is just like a flatbed scanner, but any document has to be inserted into it and this scanner slowly pulls that document and it is scanned slowly, although with this scanner you can scan many documents at once. Can scan, the book inside it cannot be scanned because there is not much space in its tray.

(iii) Hand Held Scanner: इसके नाम से ही ये पता चल रहा है कि इसको चलाने के लिए Hand का सहारा लेना पड़ेगा | इस स्कैनर का प्रयोग किसी छोटे-मोटे Text को स्कैन करने के लिए किया जता है |



✍It is known from its name that to run it, you will have to use the hand. This scanner is used to scan any small text.

नोट: आप जिस Text को स्कैन करना चाहते हैं तो आपको वहाँ पर इस स्कैनर को ले जाना पड़ेगा (If you want to scan the text, then you have to take this scanner there.)

(iv) Drum Scanner: आजकल ये स्कैनर बहुत ही ज्यादा प्रयोग में आ रहा हैं क्योंकि इस स्कैनर से ये छोटे-छोटे Image को भी बहुत आसानी से स्कैन किया जा सकता है "इसकी सबसे बड़ी यही खाशियत है" इसलिए इस स्कैनर का प्रयोग पुस्तक छपने या अन्य प्रकाशन वाली कम्पनीयाँ बहुत ज्यादा करती है |



✍These scanners are very much in use nowadays because even with this scanner this small image can be scanned very easily "this is the biggest feature" so this scanner is used for printing or other publishing companies. She does a lot.

नोट: इसके अलावा भी वर्तमान समय में कई प्रकार के स्कैनर आ चुकें हैं जो कि अलग-अलग केटेगरी के लिए अलग-अलग स्कैनर हो सकते हैं जैसे OMR Answer Sheet जाँच करने के लिए OMR स्कैनर, बार कोड जाँच करने के लिए BCR स्कैनर, हॉस्पिटल के लिए कोई और स्कैनर |

Note: Apart from this, there are many types of scanners at the present time, which can be different scanners for different categories like OMR scanner for checking OMR answer book, BCR scanner for bar code checking, for hospital any other scanner.

प्रिंटर क्या है, इसके प्रकार को समझायें

मैं आपको बता दूँ कि प्रिंटर एक आउटपुट डिवाइस है जो किसी भी दस्तावेजों और चित्रों को कागज या अन्य कॉपी पर प्रिंट करता है और कंप्यूटर के "सॉफ्ट डाटा" को "हार्ड कॉपी" में बदलता है |

Let us tell you that a printer is an output device that prints any document and pictures on paper or other copy and converts the computer's "soft data" to "hard copy".

प्रिंटर के प्रकार : वर्तमान समय में कई तरह के प्रिंटर उपलब्ध हैं जो कि अलग-अलग कामों के लिए होता है |
Types of printers: There are many types of printers available at the present time for different purposes.

(1) Impact Printers:ये प्रिंटर एक-एक अक्षर को प्रिंट करता है और ये जब प्रिंट करता है तब इस प्रिंटर से काफी ज्यादा मात्रा में आउटपुट आवाज निकलती है | इस तरह के प्रिंटर में अक्षर को प्रिंट करने के लिए छोटे-छोटे पिन लगे होते हैं और उस पिन पर अक्षर बने होते हैं और उस पिन में स्याही लगे होते हैं जो कि वो किसी पेपर पर छप जाता है |

This printer prints every letter and when it prints, this printer emits a very high output sound. Such printers have small pins for printing letters and letters are made on that pin and that pin has ink that is printed on a paper.

✍ मैं आपको बता दूँ कि इस तरह के प्रिंटर का प्रयोग अब ज्यादातर लोग नहीं करते हैं क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा Disadvantage होती है जैसे: काफी ज्यादा मात्रा में आउटपुट आवाज का निकलना, किसी भी Text को धीरे-धीरे प्रिंट करना, अच्छी क्वालिटी का आउटपुट प्रिंटिंग न देना इत्यादि |

Let me tell you that most people do not use this type of printer because it has a lot of disadvantages. Such as very high output volume, printing any text slowly, not giving good quality output printing, etc.

एक बात हमेशा याद रखना,

बेहतरीन दिनों के लिए आपको बुरे दिनों से लड़ना ही पड़ेगा !

Types of Impact Printer: -

(a) Dot Matrix Printers: "डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर" एक ऐसी प्रिंटर होती है जिसमें काफी मात्रा में पिनों कि पंक्ति लगी होती है जो कि ये पिन कागज पर टकराते हैं और टकराने के बाद डॉट के रूप में एक समूह बनाता है और फिर ये समूहों का डॉट्स मैट्रिक्स के रूप में समूह बना देता है जिससे कि एक-एक करके Text या चित्र कि छपाई होती है



A "dot matrix printer" is a printer that consists of a large number of rows of pins that these pins collide with on paper and after colliding form a group in the form of a dot and then these groups of dots form the matrix. Creates groups so that text or images are printed one by one.

✍ ये प्रिंटर एक बार में एक अक्षर को ही प्रिंट करता है इस वजह से इसकी गति काफी धीमी होती है | साथ ही ये काफी मात्रा में आउटपुट आवाज भी निकालता है जिसके वजह से लोग ज्यादा इस प्रिंटर को यूज नहीं करते हैं...

This printer prints only one letter at a time, due to which its speed is very slow. In addition, it also removes a large amount of output voice, due to which people do not use this printer much.

(b) Line Printers: ये प्रिंटर एक बार में एक लाइन को प्रिंट करता है इसलिए इसे "LinePrinters" कहा जाता है इस तरह कि प्रिंटर के प्रिंटिंग क्वालिटी अच्छी तो नहीं होती है पर इसकी गति डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर से काफी ज्यादा होती है |



This printer prints one line at a time, so it is called "line printers", in such a way that the printer's printing quality is not good, but its speed is much higher than that of dot matrix printers.

(c) Drum Printers:ये एक ऐसी प्रिंटर होती है जिसमें कि एक बेलनाकार ड्रम लगा हुआ रहता है और ये ड्रम घूमते रहता है और इस ड्रम के ऊपर अक्षर छपा हुआ रहता है और जैसे ही ये कागज़ के संपर्क में आता है तो ये उस अक्षर को छाप देता है...

It is a printer in which a cylindrical drum is attached and this drum rotates and the letter is printed on this drum and as soon as it comes in contact with the paper, it prints the letter.

(2) Non-Impact Printers: इस तरह के प्रिंटर में किसी भी अक्षर या चित्र को प्रिंट करने के लिए स्याही का इस्तेमाल किया जाता है अब ये स्याही पाउडर या इंक भी हो सकता है | मैं आपको बता दूँ कि इस तरह के प्रिंटर के द्वारा जब आप किसी भी अक्षर या चित्र को प्रिंट करते हैं तो इसकी क्वालिटी काफी अच्छी होती है साथ ही जब ये

प्रिंटर चलता है तो ये आउटपुट आवाज **काफी** कम यानी ना के बराबर करता है मगर ये **इम्पैक्ट** प्रिंटर से काफी महँगा होता है |

Inks of this type are used to print any letter or picture, now this ink can also be powder or ink. Let me tell you that when you print any letter or picture through such a printer, its quality is very good, plus when this printer runs, it reduces the output sound very much i.e. Impact Printer Are very expensive.

(a) Inkjet Printer: इस तरह के प्रिंटर में किसी भी अक्षर या चित्र को प्रिंटर करने करने के लिए इंक का इस्तेमाल किया जाता है जो कि ये Cartridge में भरा हुआ रहता है | जब फुहार के रूप में कागज़ पर वो इंक पड़ता है तो छपाई होती है | इसकी स्पीड काफी ज्यादा नहीं होता है लगभग 15-20 सेकंड में प्रति कॉपी करता है |



In such printers, ink is used to print any letter or picture that is filled into the cartridge. When that ink is on the paper as a spray, it is printed. Its speed is not very high; it is copied in about 15-20 seconds.

(b) Laser Printer: इस तरह के प्रिंटर किसी भी अक्षर या चित्र को प्रिंट करने करने के लिए किरणों का इस्तेमाल करती है | जब हमलोग कंप्यूटर के द्वारा किसी भी डेटा को प्रिंटर में भेजते हैं तो लेजर किरणों की सहायता से इसके ड्रम पर चार्ज उत्पन्न कर देता है और इसके अन्दर एक टोनर लगा हुआ रहता है जो चार्ज के कारण ड्रम पर चिपक जाता है | जब ड्रम घूमता है और इसके नीचे से कागज़ निकलता है तो टोनर कागज़ पर छपाई करता है |



Such printers use rays to print any letter or picture. When we send any data through the computer to the printer with the help of laser rays, it creates a charge on its drum and inside it is a toner that sticks to the drum as it is charging. When the drum rotates and the paper comes out from under it, the toner prints on the paper.



(c) Electro Magnetic Printer: इस तरह का प्रिंटर बहुत ही तेज गति से किसी भी अक्षर या चित्र कि छपाई करता है ये लगभा 1 मिनट में 200-250 पेज से भी अधिक प्रिंट कर डेटा है |

This type of printer prints any letter or picture at great speed. This cost is printing over 200-250 pages in 1 minute.

(d) Electro Static Printer:इस तरह के प्रिंटर की स्पीड काफी तेज होती है इसका इस्तेमाल बड़े-बड़े फॉर्मेट को प्रिंट करने के लिए जाता है| जब आप इस तरह के प्रिंटर से प्रिंट करते हैं तो काफी कम लागत लगती है



The speed of such printers is very fast, it is used to print large formats. When you print with such a printer, it costs a lot.

ARION SHIKSHAN & CHARITABLE SANSTHAN
A.S.C SANSTHAN
EST. 2017

(d) Electro Static Printer: इस तरह के प्रिंटर की स्पीड काफी तेज होती है इसका इस्तेमाल बड़े-बड़े फॉर्मेट को प्रिंट करने के लिए जाता है | जब आप इस तरह के प्रिंटर से प्रिंट करते हैं तो काफी कम लागत लगती है...



The speed of such printers is very fast, it is used to print large formats. When you print like this with a printer it costs a lot.

स्पीकर क्या होता है?

स्पीकर एक आउटपुट डिवाइस होता है जिसको कंप्यूटर में गाने सुनने, विडियो देखने या किसी अन्य तरह के आउटपुट साउंड के लिए इसे CPU में कनेक्ट किया जाता है |



A speaker is an output device that attaches to a CPU to watch songs, videos, or any other type of output sound on a computer.

हेडफोन क्या होता है?

हेडफोन भी एक प्रकार का आउटपुट डिवाइस है जिसमें कि लेफ्ट और राईट तरफ छोटे-छोटे स्पीकर लगे होते हैं | जब हमलोग इसे अपने CPU से कनेक्ट करते हैं तो कंप्यूटर का आउटपुट साउंड इस हेड फोन से आने लगता है जिससे हम आसानी से इसे कानों में लगाकर सुन सकते हैं



The headphone is a type of output device with small speakers on the left and right. When we connect it to our CPU, the output sound of the computer starts coming from this headphone, so that we can hear it easily by plugging it into the ears.

UPS क्या होता है?



UPS का पूरा नाम Uninterruptible Power Supply होता है जो कि Main Power बंद होने पर काम करता है Actual में इसका प्रयोग पर्सनल कंप्यूटर में किया जता है क्योंकि जब मेन लाइट चली जाती है तो ऐसे में हमारा कंप्यूटर डायरेक्ट बंद हो जाता है जिसके वजह से हमारा डेटा क्रैक यानी वहीँ से खत्म हो जाता है या जो डॉक्यूमेंट पर हम का करते रहते हैं वो डॉक्यूमेंट पूर्णत: सेव भी नहीं हो पाता है साथ ही कंप्यूटर डायरेक्ट बंद होने से कुछ इसमें सॉफ्टवेयर क्रैक भी हो ज़ाती है तो ऐसे में पॉवर सप्लाई कुछ देर हमलोगों को कंप्यूटर बंद करने के लिए टाइम देता है जितने में हम अपने डेटा को अच्छे तरीके सेव कर सकते हैं|

The full name of UPS is Uninterruptible Power Supply, which is actually used in personal computers because when the main light is turned off, our computer shuts down directly. This causes our data to be cracked from there, or the document we keep doing is not able to save the document completely, as well as a direct shutdown of the computer causing some software to crack, hence the power supply we give some time. To shut down the computer, in which we can save our data in a good way.

यूपीएस का पॉवर सप्लाई लगभग 20-30 मिनट तक होती है ताकि अचानक से लाइट चले जाने के बाद भी आपका कंप्यूटर डायरेक्ट बंद न हो | अब सभी तरह के UPS अलग-अलग देर तक पॉवर सप्लाई कर सकता है क्योंकि ये साइज, कीमत और उसके कंपनी पर निर्भर करता है|

The power supply of UPS lasts for about 20-30 minutes so that your computer does not turn off directly even after the light goes on suddenly. Now all types of UPS can supply power for different periods of time as it depends on the size, price and its company.

अगर आप जिद्दी हो, आपने जीवन में एक सफल व्यक्ति बनने की ठान ली है, आपने अन्दर एक जिद्द है की हमें अपने लाइफ में खुद करके दिखाना है, तो सच में आप अपने सपने को हकीकत में बदल सकते हो|

CPU या होता है?

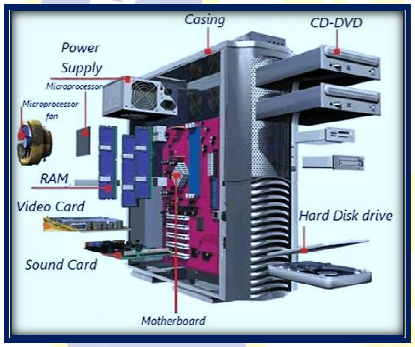


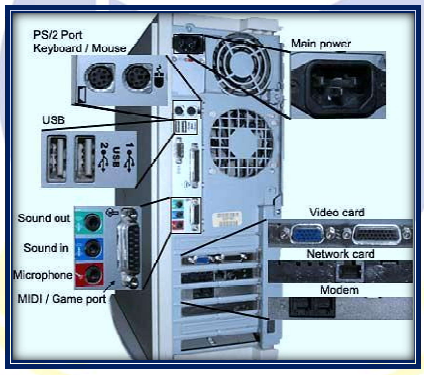
CPU का पूरा नाम Central Processing Unit (केंदीय प्रचालन तंत्र) होता है, जिसे कंप्यूटर का दिमाग भी कहा जाता है क्योंकि यही सारे निर्देशों को प्रोसेस करता है |

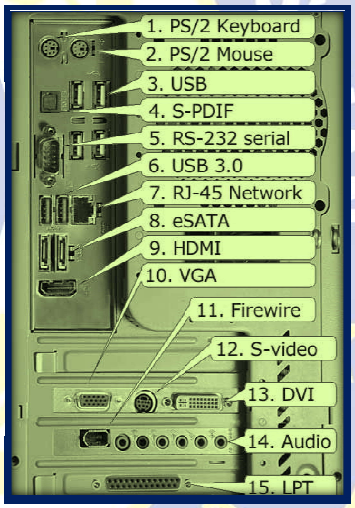
✍ मैं आपको बता दूँ कि यूजर के द्वारा दिए गए इनपुट निर्देषों को यह Receiveकरता है और उसके आधार पर सभी सॉफ्टवेयर को चलाता है और फिर बाद में हमें आउटपुट के रुप में उसका रिजल्ट देता है जो मॉनिटर के स्क्रीन पर दिखाता है |

The full name of the CPU is the Central Processing Unit, also called the brain of a computer because it processes all instructions.

Let us tell you that the input given by the user makes it flawless and runs all the software based on it and then later the result of the output is shown on the screen of the monitor.







EST. 2017

नोट: एक CPU के अंदर कई सारे Instruments लगे होते हैं अर्थात इसके भी कुछ भाग होते हैं जैसे: Motherboard, Power Supply Unit, Floppy DiskDrives, Hard Disk, RAM, ROM, Expansion Card, Primary Memory,Secondary Memory, Speaker etc., जो आपको इन चारों Image में आपको दर्शाया गया है

Note: There are many devices inside the CPU, that is, it also has parts such as: motherboard, power supply unit, floppy disk drive, hard disk, RAM, ROM, expansion card, primary memory, secondary memory, speaker, etc.

मेमोरी

मेमोरी, कंप्यूटर का वह भाग होता है जिसमें कि सभी डेटा और प्रोग्राम को स्टोर किया जाता है | अगर मेमोरी नहीं होता तो हमारा कोई भी डेटा या प्रोग्राम तुरंत नष्ट हो जाता और हम दूबारा उसे Access नहीं पायेंगे |

Memory is the part of the computer in which all data and programs are stored. If there is no memory then any of our data or program will be destroyed immediately and we will not be able to access it again.

Unit of Memory			
1 बिट	बाइनरी डिजिट	1024 जेटा बाइट	1 योटा बाइट = 1 YB
8 बिट्स	1 बाइट	1024 योटा बाइट	1 ब्रोंटो बाइट
1024 बाइट्स	1 किलो बाइट्स = 1 KB		
1024 किलो बाइट्स	1 मेगा बाइट = 1 MB		
1024 मेगाबाइट	1 गीगा बाइट = 1 GB		
1024 टेरा बाइट	1 पेटा बाइट = 1 TB		
1024 एक्सा बाइट	1 जेटा बाइट = 1 ZB		

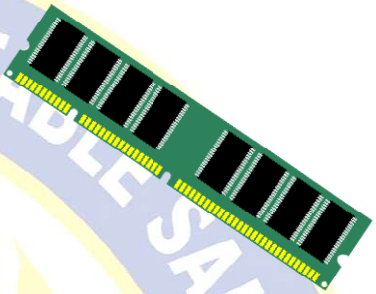
मेमोरी के प्रकार.....

(i) Primary Memory (प्राथमिक मेमोरी): Primary Memory को Main Memory भी कहते हैं क्योंकि इसके अन्दर सभी प्रोग्राम तथा इनपुट और आउटपुट डेटा अस्थाई रूप से कुछ देर के लिए सेव होता है और जैसे ही आपका कंप्यूटर बंद या वो प्रोग्राम बंद हो जाता है जिसमें आप काम कर रहें होते हैं तो वो डेटा भी समाप्त हो जाता है...

Primary memory is also called as main memory because all the programs and input and output data inside it is temporarily saved for some time and as soon as your computer shuts down or the program you are working in. So that data also ends.

इसके भी दो प्रकार होते हैं

(a) RAM (Read Access Memory):RAM अस्थाई मेमोरी होता है क्योंकि जब हम कंप्यूटर कोई भी डेटा या प्रोग्राम को इनपुट करते हैं तो ये कुछ समय के लिए उस डेटा को सेव रखता है और जैसे बिजली चली या कंप्यूटर बंद हो जाता है तो वो डेटा भी नष्ट हो जाता है |RAM is temporary memory because when we input any data or program on the computer, it keeps that data for some time and as the power goes off or the computer is shut down, that data is also destroyed.



जब हम किसी भी डेटा को कंप्यूटर में इनपुट करते हैं तो वो डेटा सबसे पहले RAM में जाता है और उसके बाद CPU अपने आवश्यकता के अनुसार वहाँ से प्राप्त करता है इसलिए इसे अस्थाई मेमोरी भी कहते हैं | मैं आपको बता दूँ कि जितनी ज्यादा क्षमता वाली RAM आपके कंप्यूटर में होगा उतनी ही फास्ट आपका कंप्यूटर वर्क करेगा

When we input any data into the computer, that data first goes to RAM, and then the CPU gets it from there as per its requirement, hence it is also called temporary memory. Let us tell you that the more capacity RAM your computer has, the faster your computer will work.

इसके कुछ उदाहराण : Dynamic RAM,Synchronous RAM,Static RAM



(b) ROM (Read OnlyMemory):इसके नाम से ही पता चल रहा है कि ये एक ऐसा मेमोरी होता है जिसका इस्तेमाल किसी भी डेटा को Read यानी पढने के लिए किया जाता होगा | मैं आपको बता दूँ कि ये एक स्थाई मेमोरी होता है, इसलिए जब बिजली चली जाती है या वो प्रोग्राम बंद हो जाता है जिसपर हम काम कर रहें होते हैं तो ये डेटा इसके अन्दर स्थाई रूप से सुरक्षित रहता है कोई डेटा नष्ट नहीं होता है |

It is a memory that is used to read any data. Let me tell you that it is a permanent memory, so when the power goes out or the program we are working on, then this data is permanently protected inside it, no data is lost.

इस मेमोरी के भी कुछ उदाहरण हैं जैसे: PROM, EPROM, EEPROM इत्यादि

PROM:Programmable Read Only Memory
RPROM:Reprogrammable Read Only Memory
EEPROM:Electronically Erasable Programmable Read Only Memory

(ii) Secondary Memory (द्वितीयक मेमोरी): द्वितीयक मेमोरी को बाहा मेमोरी भी कहा जाता है क्योंकि ये CPU के बाहर होता है और ये सहायक मेमोरी के रूप में कार्य करता है अर्थात आप किसी भी डेटा या प्रोग्राम्स को

इसके अन्दर स्टोर करके रख सकते हैं इसके अन्दर कोई डेटा या प्रोग्राम कभी नष्ट नहीं होता है | साथ ही साथ मैं आपको बता दूँ कि स्टोरेज क्षमता काफी ज्यादा होती है... आप जितनी किमत वाली मेमोरी खरीदेंगे उतनी ज्यादा आपको स्टोरेज दिया जाएगा |

Such as: Hard disk, Floppy disk, CD, DVD, Memory disk, Pen drive etc.

Secondary memory is also called external memory because it is outside the CPU and it acts as auxiliary memory, that is, you can store any data or program inside it, never delete any data or program in it. It happens. It happens. Also, let me tell you that the storage capacity is very high. The more memory you buy, the more storage you will be given.

हार्ड डिस्क (Hard Disk) क्या होती है?



हार्ड डिस्क एक स्टोरेज डिवाइस है जिसका इस्तेमाल कंप्यूटर के सभी डाटा को स्टोरेज करने के लिए किया जाता है अब चाहे वो कोई डाक्यूमेंट्स, विडियो विडियो सॉंग, ऑडियो सॉंग, सॉफ्टवेयर या अन्य कोई भी फाइल हो ये उस डाटा को Permanently स्टोर कर लेता हैं पर हाँ, आप जब चाहें तब किसी भी डाटा को देख या डिलीट या फिर उसपर पुनः काम कर सकते हैं |

✍ A hard disk is a storage device that is used to store all the data of a computer, now whether it is a document, video, video song, audio song, software or any other file, it stores that data permanently but yes, you can see or delete any data or work on it again whenever you want.

हार्ड डिस्क कई तरह के होते हैं अब ये इसकी कंपनी और इसमें दिए जाने वाले स्टोरेज स्पेस पर निर्भर करता है इसी अनुसार इसकी कीमत निर्धारित की जाती है | आप 80GB, 160GB, 320GB, 480GB, 1TB इत्यादि में से किसी एक स्टोरेज स्पेस को चुन सकते हैं और इसे खरीद सकते हैं मगर आप अपने जरुरत के अनुसार की खरीदें |

There are many types of hard disks, now it depends on its company and the storage space provided in it, its price is determined accordingly. You can choose any of the storage space from 80GB, 160GB, 320GB, 480GB, 1TB etc. and buy it but you can buy according to your requirement.

फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disk) क्या होता है ?

ये एक ऐसी एक्सटर्नल मेमोरी डिस्क होती जिसमें की आप बहुत ही कम मात्रा में डेटा को रख सकते हैं | मैं आपको बता दूँ कि इसका प्रयोग पहले के जाममे में किया जाता था मगर CD, पेन ड्राइव एवं अन्य एक्सटर्नल ड्राइव को आ जाने से इसकी अतित्व अब ख़त्म हो चुका है |



This is an external memory disk in which you can keep a very small amount of data. Let me tell you that it was used in the earlier jam, but CD, pen drive and other external drives are now over its existence.

फ्लॉपी डिस्क के अन्दर एक गोलाकार चुम्बकीय प्लेट होता जिसमें की सभी डेटा स्टोर होता है और वहीं से सभी डेटा को रीड किया जाता है |

✍Inside the floppy disk, there is a circular magnetic plate in which all the data is stored and from there all the data is read.

अगर आप इसके बीच में देखेंगे तो एक गोलाकार CD की तरह दिखाई देगा साथ ही साथ मैं आपको बता दूँ की ये माइलर नामक प्लास्टिक कि बनी होती है जिसके दोनों ओर चुम्बकीय परत चढ़ी हुई होती है |

✍If you look in the middle of it, it will look like a spherical CD and at the same time let me tell you that it is made of a plastic named Mylar, which has a magnetic layer on both sides.

CD (Compact Disc) क्या होती है?

ये भी एक एक्सटर्नल डिस्क ही होती है इसके अन्दर भी कई तरह के डेटा को रखा जा सकता है और उसे देखा या रीड किया जा सकता है | इसके अन्दर आप कई तरह के चीजों को स्टोर करके रख सकते हैं जैसे: फिम्ल, विडियो सॉंग, ऑडियो सॉंग, सॉफ्टवेयर इत्यादि



It is also an external disk, so many types of data can be kept inside it and it can be viewed or read. Within this, you can store many things like: File, video song, audio song, software etc.

मेमोरी डिस्क क्या होती है?

ये भी एक तरह का एक्सटर्नल डिस्क होता है जिसमें की आप कई तरह के चीजों को स्टोर करके रख सकते हैं जैसे: ऑडियो सॉंग, विडियो सॉंग, फिल्म इत्यादि



This is also an external disc in which you can store and keep many things like: audio song, video song, film etc.

DVD (Digital Video/Versatile Disk) क्या होता है?

ये भी एक तरह का एक्सटर्नल डिस्क होता है जो कि "Compact Disk" के जैसा ही देखने में लगता है और काम भी लगभग दोनों का समान ही होता है मगर इसमें "Compact Disk" ज्यादा क्षमता होती है जिसमें की आप अधिक-से अधिक मात्रा में किसी भी डेटा को रख सकते हैं |



This is an external disk that looks like a "Compact Disk" and the work is almost the same. But it has more capacity than "Compact Disk". In this, you can keep any data in maximum quantity.

Flash Drive/Pen Drive क्या है?

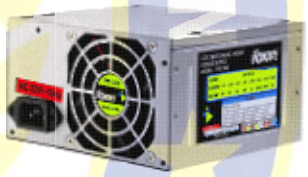
ये भी एक एक्सटर्नल ड्राइव होता है जिसमें की काफी मात्रा में डेटा को सेव करके रखा जा सकता है | इसकी खाश बात यह है कि ये छोटे होने के साथ-साथ काफी सुविधाजनक भी होता है आप जहाँ-चाहे वहाँ इसे लेजा सकते हैं और इसका प्रयोग कर सकते हैं |



This is also an external drive in which we can store a large amount of data. The good thing about it is that it is very convenient as well as being small; you can take it wherever you want and use it.

Power Supply क्या होता है?

Actual में इसे SMPS कहा जाता है जिसका पूरा नाम Switched ModePower Supplyहोता है जिसका इस्तेमाल कंप्यूटर को पॉवर सप्लाई करने के लिए किया जाता है |



In fact, it is called SMPS, whose full name is Switched Mode Power Supply, which is used to supply power to a computer.

मैं आपको बता दूँ की और भी कई जगह पर पॉवर सप्लाई का इस्तेमाल किया जताहै | .ऐसा नहीं की सिर्फ कंप्यूटर में ही पॉवर सप्लाई का इस्तेमाल किया जाता है |

Let me tell you that power supply is used in many other places. It is not that the power supply is used only in the computer.

Expansion Card क्या होता है?

इसके नाम से ही पता चल रहा है कि ये एक तरह का कार्ड है, जो की कंप्यूटर की गुणवता को बढ़ाने के लिए प्रयोग होता है | इसके कई प्रकार हो सकते हैं जैसे: Audio&Video/Graphic Card, Network Card, Modem Card इत्यादि

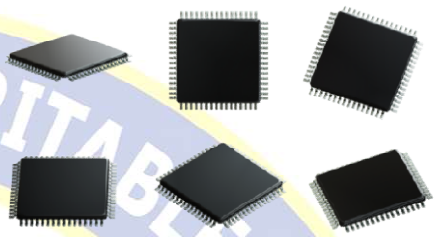


✍ It is known by its name that this is a type of card, which is used to enhance the quality of a computer. There can be many types of it like: Audio & Video / Graphic Card, Network Card, Modem Card etc.



Processor क्या है?

प्रोसेसर एक प्रकार की चिप होता है जो कि मदर बोर्ड के साथ जुड़ी हुई होती है | ये कंप्यूटर में मस्तिक की तरह काम करता है, साथ ही ये यूजर्स और कंप्यूटर के बीच में होनेवाली बातचीत को समझता है | जब कोई कंप्यूटर यूजर कंप्यूटर में कोई इनपुट कमांड देता है तो प्रोसेसर उसे प्रोसेस करके हमें आउटपुट के रूप में स्क्रीन पर उसका परिणाम दिखाता है |



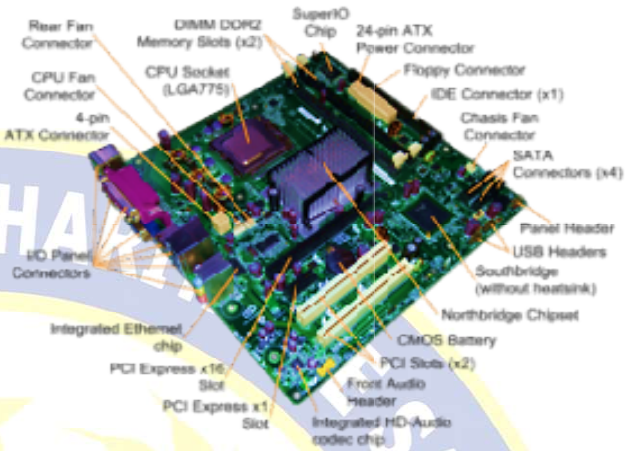
✍ The processor is a type of chip that attaches to the motherboard. It acts like a brain in a computer, as well as it understands the interaction between users and computers. When the computer user gives an input command to the computer, the processor processes it and shows its result to us on the screen as output.

✍ आपको बता दूँ की जितनी क्षमता वाली प्रोसेसर आपके कंप्यूटर में लगा हुआ रहेगा उतनी जल्दी आपको किसी भी इनपुट कमांड का परिणाम आपको आउटपुट के रूप में मिलेगा |

✍ Let us know that the more capacity of the processor in your computer, the sooner you will get the result of any input command as output.

A.S.C SANSTHAN EST. 2017

Mother Board क्या है?

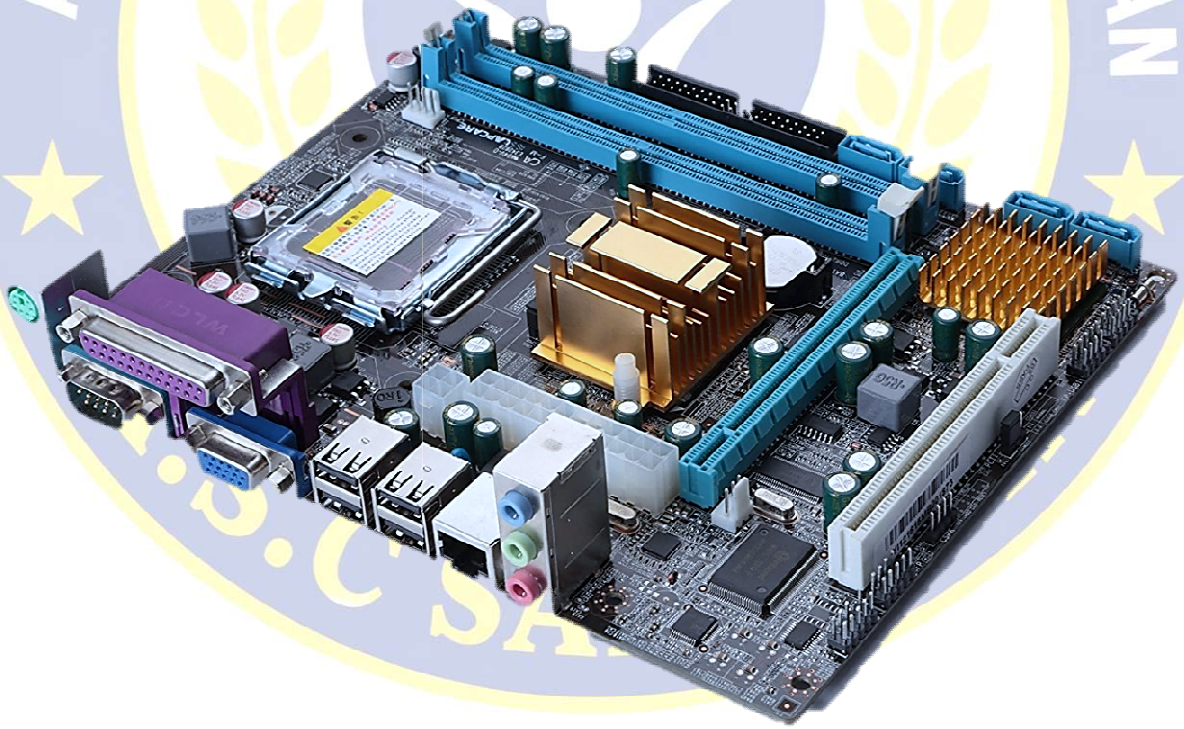


मदर बोर्ड कम्पुटर का वह भाग होता है जिसमें की कई सारे इंस्ट्रूमेंट इससे जुड़े हुए होते हैं जैसे: CPU, Mouse, Keyboard, RAM, Hard Disk,Monitor इत्यादि

मैं आपको बता दूँ की मदर बोर्ड एक Printed Circuit Board होता है जिसमें कि कंप्यूटर के सभी पार्ट यहाँ आकर मिलते हैं

The mother board is the part of the computer in which many instruments are connected to it such as: CPU, Mouse, Keyboard, RAM, Hard Disk, Monitor etc.

Let me tell you that the mother board is a printed circuit board in which all the parts of the computer come and meet here.



कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्या है?



सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों की वह श्रंखला होती है जो कि कंप्यूटर सिस्टम के सभी कार्यों को नियंत्रित करता है और उसके अनुसार ही आपको आउटपुट परिणाम आपके मॉनिटर पर दिखाता है | और हाँ, आप जिस तरह का सॉफ्टवेयर अपने कंप्यूटर में यूज करेंगे, आपको उस तरह का परिणाम आपके स्क्रीन पर दिखाया जाएगा | एक बात और मैं आपको बताना चाहूँगा की सॉफ्टवेयर अपने आप नहीं चलती है बल्कि इसे चलाना पड़ता है |

There are a series of software programs that control all the functions of a computer system and accordingly show the output results on your monitor. And yes, whatever kind of software you use on your computer, you will be shown that kind of result on your screen. Another thing I would like to tell you are that the software does not run on its own, rather it has to run.

साथ ही मैं आपको बता दूँ की सॉफ्टवेयर को छुआ नहीं जा सकता बल्कि देखा जा सकता है

उदाहारण: माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, फोटोशॉप, माइक्रोसॉफ्ट पेंट, वर्डपैड इत्यादि |

सॉफ्टवेयर के प्रकार: (i) System Software (ii) Application Software (iii) Utility Software

(i) SystemSoftware: ऐसा सॉफ्टवेयर जो की नए कंप्यूटर खरीदने के साथ में दिया जाता है अर्थात जब हम कोई नयी कंप्यूटर खरीदते हैं तब उसके अन्दर जो सॉफ्टवेयर Available होता है वही सिस्टम सॉफ्टवेयर कहलाता है जैसे: पेंट, नोटपैड, विंडोज मीडिया प्लेयर, डिस्क क्लीनअप इत्यादि |

The software that is given along with the purchase of new computers, that is, when we buy a new computer, the software available in it is called system software such as: Paint, Notepad, Windows Media Player, Disk Cleanup etc.

दूसरे शब्दों में, सिस्टम सॉफ्टवेयर एक ऐसा सॉफ्टवेयर होता है जो हार्डवेयर को कण्ट्रोल करता है ताकि सभी एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर अच्छे तरीके से काम करे (In other words, system software is software that controls the hardware so that all application software works well.)

(ii)Application Software: एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर वो सॉफ्टवेयर होते हैं जो कि सिस्टम सॉफ्टवेयर इंस्टाल करने के बाद इंस्टाल किया जाता है | एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर एक विशेष कार्य करने के लिए काम आता है क्योंकि सिस्टम सॉफ्टवेयर वो सब सारे सॉफ्टवेयर Available नहीं होते हैं जो की आपके सभी काम को कर दे | इसलिए अलग से सॉफ्टवेयर को इंस्टाल किया जता है जिसे ही एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर खा जता है |

जैसे: माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, फोटोशॉप, पेज मेकर, टैली इत्यादि |

Application software is the software that is installed after installing the system software. Application software comes in handy for doing a specific task because system software does not have all the software available to do all your work. Therefore, separate software is installed which is consumed by the application software itself.
Such as: Microsoft Office, Photoshop, Page Maker, Tally etc.

(iii) UtilitySoftware: यूटिलिटी सॉफ्टवेयर वे सॉफ्टवेयर होते हैं जो की कंप्यूटर के साथ-साथ, कंप्यूटर के अन्दर सिस्टम सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को व्यवस्थितद या देखभाल करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जैसे: Anti-Virus, Disk Cleanup, Scan Disk, Windows Defender इत्यादि |

Utility software is the software used to organize or maintain system software and application software inside the computer, such as: Anti-Virus, Disk Cleanup, Scan Disk, Windows Defender, etc.

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है?

जिसे हम देख और आसानी से छू सकते हैं उसे हार्डवेयर कहते हैं | इसे कंप्यूटर का PhysicalComponents भी बोला जाता है |
हार्डवेयर के बिना सॉफ्टवेयर का कोई अतित्व नहीं है अर्थात किसी भी सॉफ्टवेयर का प्रयोग हम बिना हार्डवेयर के नहीं कर सकते|

What we can see and touch easily is called hardware. It is also called the physical component of the computer. Without hardware, there is no existence of software, that is, we cannot use any software without hardware.

उदाहरण: माउस, कीबोर्ड, मॉनिटर, सी.पि.यु, प्रिंटर इत्यादि, ये सभी हार्डवेयर हैं इनके बिना हम सॉफ्टवेयर जैसे- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, माइक्रोसॉफ्ट पेंट, फोटोशॉप, टैली इत्यादि |

Example: Mouse, Keyboard, Monitor, CPU, Printer etc., all these are hardware, without them we can do software like- Microsoft Office, Microsoft Paint, Photoshop, Tally etc.

कंप्यूटर हार्डवेयर के कुछ उदाहरण:-

(i) इनपुट डिवाइस के आधार पर: इसके अंतर्गत ऐसे हार्डवेयर आते हैं जिससे कंप्यूटर में डाटा को भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जैसे:- माउस, कीबोर्ड, मॉडेम, स्कैन, माइक्रोफोन इत्यादि |

It includes hardware that is used to send data to the computer, such as: mouse, keyboard, modem, scan, microphone, etc.

(ii) आउटपुट डिवाइस के आधार पर: जब हमलोग इनपुट डिवाइस के द्वारा कंप्यूटर को कुछ डेटा भेजते हैं तो कंप्यूटर किसी अन्य डिवाइस के जरिये जैसे: मॉनिटर, स्पीकर, प्रिंटर, स्कैनर इत्यादि के जरिये हमें उसका इनफार्मेशन देता है जो की ये हार्डवेयर ही है |

✍When we send some data to the computer through the input device, the computer gives us its information through any other device like: monitor, speaker, printer, scanner etc., which is the hardware itself.

इसके अलावा भी कंप्यूटर में कई सारे हार्डवेयर लगें होतें जो की CPU में लगे होते हैं जैसे: RAM, ROM, Hard Disk, Floppy Disk, Mother Board इत्यादि |

✍Apart from this, there are many hardware in the computer which are installed in the CPU such as: RAM, ROM, Hard Disk, Floppy Disk, Mother Board etc.

सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में अंतर बतायें

सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में निम्नलिखित अंतर है (Following is the difference between software and hardware.)

S. I	Software	Hardware
1	सॉफ्टवेयर को सिर्फ देखा जा सकता है छुआ नहीं जा सकता है जैसे: फोटोशॉप, टैली इत्यादि Software can only be viewed but cannot be touched such as: Photoshop, Tally etc.	हार्डवेयर को देखा और छुआ जा सकता है जैसे: कीबोर्ड, माउस, मॉनिटर इत्यादि Hardware can be seen and touched such as: keyboard, mouse, monitor etc.
2	सॉफ्टवेयर के बिना तो कंप्यूटर चल सकता है मगर हमें ये आउटपुट के रूप में वो रिजल्ट नहीं देगा जो हमें चाहिए क्योंकि बिना सॉफ्टवेयर के वो काम होगा ही नहीं जो मुझे चाहिए Without software, a computer can run, but it will not give us the results that we want in the form of output, because without software it will not do the work that I want.	हार्डवेयर के बिना तो कंप्यूटर चल ही नहीं सकता (A computer cannot run without hardware.)
3	सॉफ्टवेयर को बनाने के लिए प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का इस्तेमाल किया जाता है | Programming language is used to create software.	मगर हार्डवेयर को बनाने नके लिए Physical Material की जरुरत होती है | But physical material is needed to make hardware.

नोट: बिना सॉफ्टवेयर के हार्डवेयर का कोई काम नहीं और बिना हार्डवेयर के सॉफ्टवेयर के कोई काम नहीं, दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं (Note: There is no work of hardware without software and no work of software without hardware, both are related to each other.)